वर्ष 24, अंक 170, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 29 दिसंबर 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'ऑपरेशन सिंदूर, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन और राम मंदिर में...'

मन की बात में पीएम मोदी ने गिनाई 2025 में भारत की उपलब्धियां

नई दिल्ली

'मन की बात' के 129वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "इस साल, 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया. दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता. 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान, दुनिया के हर कोने से भारत माता के प्रति प्यार और भक्ति की तस्वीरें सामने आईं. यही भावना तब भी देखने को मिली जब 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे हुए."

पीएम मोदी ने कहा कि 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए हैं जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ. देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक, भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी. भारत ने साइंस और स्पेस के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है. शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचने वाले पहले भारतीय बने. पर्यावरण सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई पहल भी 2025 में शुरू हुईं. भारत में अब चीतों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई है.

'महाकुंभ के आयोजन ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया'

प्रधानमंत्री ने कहा, "2025 में आस्था, संस्कृति और भारत की अनोखी विरासत सब

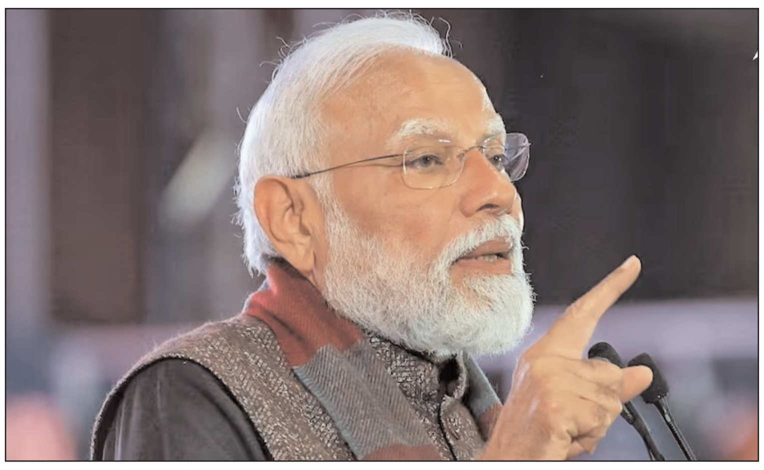

एक साथ देखने को मिलीं. साल की शुरूआत में प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया. साल के आखिर में अयोध्या में राम मंदिर में झंडा फहराने की सेरेमनी ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया." उन्होंने कहा कि लोगों ने स्वदेशी प्रोडक्ट्स के लिए भी बहुत उत्साह दिखाया है, लोग सिर्फ. भारतीय की मेहनत से बने सामान खरीद रहे हैं. आज हम गर्व से कह सकते हैं कि 2025 ने भारत को और भी ज्यादा आत्मविश्वास दिया है.

कन्नड़ पाठशाले का पीएम मोदी ने किया जिक्र

उन्होंने बताया कि दुबई में रहने वाले कन्नड़ परिवारों ने खुद से एक जरूरी सवाल पूछा कि हमारे बच्चे Tech-World में आगे तो बढ़ रहे हैं, लेकिन कहीं वो अपनी भाषा से दूर तो नहीं हो रहे हैं? यहीं से जन्म हुआ 'कन्नड़ पाठशाले' का. एक ऐसा प्रयास, जहां बच्चों को 'कन्नड़' पढ़ना, सीखना, लिखना और बोलना सिखाया जाता है. Geetanjali IISc यह अब सिर्फ एक Class नहीं, Campus का सांस्कृतिक केंद्र है. यहां हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत है, लोक परंपराएं हैं, शास्त्रीय विधाएं हैं, छात्र यहां साथ बैठकर रियाज करते हैं. Professor साथ बैठते हैं, उनके परिवार भी जुड़ते हैं.

मणिपुर के युवक ने पीएम ने दिया उदाहरण

पीएम मोदी ने बताया कि Smart India Hackathon 2025 का समापन इसी महीने हुआ है. इस Hackathon के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर students ने काम किया. जहां चाह, वहां राह- इस कहावत को सच कर दिखाया है मणिपुर के एक युवा मोइरांगथेम सेठ जी ने. उनकी उम्र 40 साल से भी कम है. मोइरांगथेम मणिपुर के जिस दूर-सुदूर क्षेत्र में रहते थे वहां बिजली की बड़ी समस्या थी. इस चुनौती से निपटने के लिए उन्होंने Local Solution पर जोर दिया और उन्हें ये Solution मिला Solar Power में. पीएम मोदी ने कहा कि जनवरी 2026 में ओडिशा की पार्वती गिरि की जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी. उन्होंने 16 वर्ष की आयु में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लिया था. आजादी के आंदोलन के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और जनजातीय कल्याण को समर्पित कर दिया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का भारत ने उठाया मुद्दा तो यूनुस सरकार ने दिया जवाब

बांग्लादेश

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसाओं को लेकर भारत ने मुद्दा उठाया था. इसको लेकर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय का जवाब आया है. यूनुस सरकार ने भारत के दावों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें 'छिटपुट घटनाएं' करार दिया है.

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

विदेश मंत्रालय ने रविवार (28 दिसंबर, 2025) को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के हालात पर भारत के दावों को खारिज करते हुए कहा, ये टिप्पणियां जमीनी हकीककत को नहीं दिखाती हैं. ऐसी टिप्पणी को बांग्लादेश ने झूठा और भ्रामक बताया है. मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश सांप्रदायिक सद्भाव की देश की दीर्घकालिक परंपरा को गलत तरीके से पेश करने वाली किसी भी बात को सिरे से खारिज करता है.

इसके साथ ही इस बयान में चिंता जताई गई कि 'छिटपुट आपराधिक घटनाओं' को हिंदुओं के संगठित उत्पीड़न के रूप में दिखाने और इस तरह की टिप्पणियों का

इस्तेमाल भारत के कुछ हिस्सों में बांग्लादेश विरोधी भावनाओं को फैलाने के लिए करने का एक व्यवस्थित प्रयास किया जा रहा है.

चुनिंदा घटनाओं को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा- मंत्रालय

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कुछ वर्ग चुनिंदा घटनाओं को जानबूझकर प्रचार कर रहे और तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं, ताकि आम भारतीयों को बांग्लादेश, भारत में उसके राजनयिक मिशनों और संस्थानों के खिलाफ भड़काया जा सके.

मंत्रालय ने आगे कहा, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के तरफ से जिन लोगों का उल्लेख किया गया था, उनमें से एक लिस्टेड अपराधी था, जिसे एक मुस्लिम सहयोगी के साथ मिलकर किए गए एक्सटॉर्शन की कोशिश के दौरान मार दिया गया. वहीं, उसके मुस्लिम सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया है. इस घटना को अल्पसंख्यकों से जुड़ा हुआ मुद्दा बताना न सिर्फ गलत है, बल्कि पूरी तरह से भ्रामक भी है.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से ही इस्लामिक कट्टरवादी विचारधारा के लोग हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर रहे हैं. हिंदू समुदाय के लोगों की हत्या की जा रही है।

त्रिपुरा छात्र की हत्या पर सीएम धामी सख्त, बोले- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

उत्तराखंड

देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले को उत्तराखंड सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि प्रदेश में इस तरह की कोई भी अराजक और हिंसक घटना किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है. दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा.

त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के

नंदानगर निवासी एंजेल चकमा देहरादून में पढ़ाई कर रहा था. बीते दिनों कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट की थी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान बीते दिन उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद न सिर्फ छात्र समुदाय में बल्कि पूरे राज्य में रोष का माहौल है.

सीएम का सख्त कार्रवाई का दावा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है. सरकार ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले लोग सरकार से किसी भी तरह की नरमी की उम्मीद न रखें.

कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ SC पहुंची CBI

जस्टिस सूर्यकांत की बेंच करेगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें बीजेपी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया था, जिसे अब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

कौन करेगा सुनवाई?

इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच करेगी, जिसमें

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं।

विवाद क्या है?

दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया था। कोर्ट का तर्क था कि सेंगर पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। सेंगर फिलहाल उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीबीआई का मानना है कि ऐसे जघन्य अपराध के दोषी को जेल से बाहर रखना न्याय के खिलाफ है।

पीड़िता का दर्द, मेरा सब कुछ छीन लिया गया

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले पीड़िता ने अपनी सुरक्षा और न्याय को लेकर गहरी चिंता जताई है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पीड़िता ने कहा, 'मेरे पिता और परिवार के सदस्यों को मार दिया गया। अब मेरे और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है, मेरे बच्चे घर पर असुरक्षित हैं।'

पीड़िता ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट मुझे न्याय देगा। उसकी जमानत खारिज होनी चाहिए, उसने न केवल मेरा बलात्कार किया बल्कि मेरे पूरे परिवार को तबाह कर दिया।' पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति को नौकरी से निकाल दिया गया है और वह हर उस महिला के लिए आवाज उठा रही है ।

BSF ने नकारा बांग्लादेशी पुलिस का दावा, घुसपैठ की खबरों को बताया 'झूठ'

मेघालय

मेघालय में तैनात सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि 'इंकलाब मंच' के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में घुस आए हैं। सीमा सुरक्षा बल ने इन खबरों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है।

BSF का बयान

मेघालय फ्रंटियर के बीएसएफ प्रमुख ओ.पी. उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर किसी भी व्यक्ति के भारत आने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। उन्होंने कहा, 'हालुआघाट क्षेत्र से किसी के भी मेघालय में दाखिल होने की कोई खबर नहीं है। न तो हमारे जवानों ने ऐसी कोई हलचल देखी है और न ही हमें कोई ऐसी रिपोर्ट मिली है।'

पुलिस भी हाई अलर्ट पर

मेघालय पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि गारो हिल्स क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध की मौजूदगी की कोई खुफिया जानकारी नहीं मिली है। राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है।

क्यों बढ़ा तनाव?

दरअसल, ढाका पुलिस के एक अधिकारी ने दावा किया था कि उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य आरोपी, फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख, अवैध तरीके से मेघालय में छिप गए हैं।

बांग्लादेश में चल रही अस्थिरता को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ के जवान पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पर निगरानी बेहद सख्त है और अवैध घुसपैठ की किसी भी कोशिश को तुरंत नाकाम कर दिया जाएगा।

धर्मांतरण रोकने के लिए करें AI का इस्तेमाल

पुलिस को सीएम योगी के निर्देश

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार (28 दिसंबर) को पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि विदेश से वित्तपोषित किये जा रहे धर्मांतरण गिरोहों को नेस्तनाबूद करने के लिए कृत्रिम मेधा (अक) की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें. मुख्यमंत्री ने ह्यपुलिस मंथनह्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 के दूसरे दिन रविवार को समापन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर अपराध पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिये.

एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगती सीमाओं पर आतंकवादी गतिविधियों के नए आयामों का गहन विश्लेषण करने और निगरानी मजबूत करने का भी निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने धर्मांतरण को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा, ह्वबलरामपुर जैसी घटनाएं इंगित करती हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ह्यअंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मांतरण गिरोह' की रोकथाम के लिए कृत्रिम मेधा, वित्तीय लेनदेन, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

नोएडा: यमुना एक्सप्रेसवे पर 3 कारों की टक्कर के बाद लगी आग

ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में शनिवार आधी रात यमुना एक्सप्रेसवे पर उस समय चीख-पुकार मच गयी. जब ओवरटेक करते समत तीन गाड़ियां आपस में टकरा गयीं और उनमें भयंकर आग लग गयी. सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग की लपटों में से तीनों कारों में सवार 11 लोगों को बचाया. इनमे दो लोग घायल हैं, जिन्हें कैलाश अस्पताल भेजा गया है.

हादसा यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 20 के पास हुआ. जैसे ही सूचना मिली दफ्ळ टीम ने तत्परता दिखाई और इससे पहले हादसा और बड़ा होता, लोगों को सुरक्षित निकाला. स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और फायर ब्रिगेड के इस काम को सराहा. आग की लपटों के बीच से लोगों को जिंदा निकालाना उनके लिए वाकई एक नया जीवन था.

क्या था पूरा घटनाक्रम ?

ग्रेटर नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र में बीती रात एक बड़ा हादसा हो गया. यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 20 के पास तीन गाड़ियाँ आपस में टकरा गईं. टक्कर इतनी जोरदार थी कि देखते ही देखते कारों में भीषण आग लग गई।

लोकतंत्र का दिखावा? बंदूकों के साये में हो रहे मतदान पर उठा सवाल

म्यांमार

म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के पांच साल बाद रविवार को कड़ी सुरक्षा और पाबंदियों के बीच मतदान शुरू हुआ। जहां सत्ताधारी सैन्य जुंटा इसे 'लोकतंत्र की वापसी' बता रहा है, वहीं विपक्षी दलों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे एक 'दिखावा' करार दिया है।

क्यों विवादों में है यह चुनाव?

लोकप्रिय नेता जेल में

देश की सबसे बड़ी नागरिक नेता आंग सान सू की अभी भी 27 साल की सजा काट रही हैं। उनकी पार्टी को भंग कर दिया गया है और वह इस चुनाव का हिस्सा नहीं है।

वोटरों की बेरुखी

2020 के चुनावों में जहां लंबी कतारें लगी थीं, वहीं इस बार मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। यांगून और मांडले जैसे बड़े शहरों में वोटरों से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और पत्रकार नजर आए।

अधूरा चुनाव

देश गृह युद्ध की चपेट में है। विद्रोही समूहों के कब्जे वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है। सेना ने खुद माना है कि निचले सदन की लगभग 20% सीटों पर चुनाव कराना संभव नहीं है।

दमन और पाबंदियां

संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने इस चुनावी प्रक्रिया की कड़ी निंदा की है। मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के अनुसार, यह चुनाव 'हिंसा और दमन' के माहौल में हो रहा है। जुंटा सरकार ने चुनाव का विरोध करने या आलोचना करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया है।

क्या कह रहे हैं लोग?

यांगून के एक केंद्र पर वोट देने पहुंचे 63

वर्षीय बो सॉ ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता शांति और सुरक्षा बहाल करना होनी चाहिए।' वहीं, जंगलों में छिपे विद्रोही समूहों और विस्थापित लोगों में भारी गुस्सा है। हवाई हमलों से बचकर भाग रही 40 वर्षीय मो म्यिंट ने कहा, 'जब इस सेना ने हमारी जिंदगी बर्बाद कर दी है, तो हम उनके चुनाव का समर्थन कैसे कर सकते हैं? यह चुनाव कभी निष्पक्ष नहीं हो सकता।'

क्या है सेना का इरादा?

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव सैन्य समर्थक 'यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' को सत्ता दिलाने का एक जरिया है।

इसे 'मार्शल लॉ' को नया रूप देने की कोशिश कहा जा रहा है। सैन्य प्रमुख मिन आंग हलिंग ने इसे सुलह का रास्ता बताया है, लेकिन विपक्षी गुटों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

अगले चरण

यह चुनाव तीन चरणों में होना है। दूसरा चरण दो हफ्ते बाद होगा, जबकि आखिरी चरण 25 जनवरी को निर्धारित है।

जिलाधिकारी और मंडलायुक्त के आदेश पर खाली नहीं हुई चकमार्ग और न हुआ आवंटन स्वीकृत

तहसील कोरांव के ग्राम सभा अल्हवा में भूमिहीनों को पट्टे दिए जाने और चकमार्ग खाली कराए जाने का मामला। ग्राम प्रधान खफा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। तहसील कोरांव के ग्राम सभा अल्हवा में डीएम और मंडलायुक्त तथा मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज के आदेश के बावजूद राजस्व कर्मियों ने कोई एक्शन नहीं लिया। जिस कारण ग्राम प्रधान लीडर ने उंगली उठाई है,और हाई कोर्ट इलाहाबाद में रिट करने का मन बना लिया है।

दरअसल अल्हवा ग्राम पंचायत में भूमि संख्या 755 नवीन परती,चकमार्ग संख्या 749,और मुख्य चकमार्ग संख्या 1035 पर अवैध कब्जे खाली कराए जाने की और नवीन परती,बंजर की करीब छ बीघा भूमि भूमि हीनों को आवंटित कर समाज की मुख्य धारा से जोड़े जाने की मांग की थी अमल न होने पर शिकायत ग्रामीणों के कथन पर राजस्व एवं जनहित में तहसीलदार,एसडीएम कोरांव से कई बार की थी। जिसका निस्तारण राजस्व कर्मी द्वारा मनमानी तौर से कर के छुट्टी हो जाते रहे। जिसकी शिकायत प्रधान ने सीआरओ, डीएम प्रयागराज एडीएम से की थी। कई बार समन्वय शिकायत प्रणाली, जनसुनवाई, जनता दर्शन, पीजी पोर्टल, समाधान दिवस के जरिए की थी।

सूत्रों के अनुसार डीएम के आदेश को तरजीह न मिलने पर मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल से ग्राम प्रधान ने लिखित,मौखिक शिकायत की। जिसका परिणाम सामने अभी तक नहीं आया, एसडीएम तहसीलदार से भी प्रधान ने कई बार मौखिक रूप से बात कही। किंतु अमल नहीं हुआ। ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने बताया कि दरअसल लेखपाल पर लोकल राजनैतिक भू माफियाओं का दबाव है कि यदि आवंटन हो जाएगा तो गरीब लोग समाज की मुख्य धारा से जुड़ जाएंगे और गरीब प्रधान शहजादे के साथ हो जाएंगे और अवैध कब्जे से मिल रहे फसल और अन्न लाभ से भू माफिया लोग वंचित हो जाएंगे।

ग्राम प्रधान बोले

,,मैने ग्राम सभा की काफी जमीनें भी अत्याचारियों से मुक्त कराई है,करीब छः बीघा भूमि सरकारी निर्माण कार्यों हेतु छोड़ कर जिनके पास मकान बनाने कृषि कार्य हेतु भूमि नहीं है उन्हें एलएमसी का प्रस्ताव पास कराकर लेखपाल को पत्रावली स्वीकृत हेतु एसडीएम के पास भेजने को कहा है किंतु ताल मटोल तरह तरह के बहाने बनाते रहे। मेरा कथन है जो पात्र हों उन्हें पट्टे किए जाएं जो अपात्र हों उन्हें न पट्टा स्वीकृति करें। किंतु लेखपाल मेरे ग्राम सभा में कार्य के इच्छुक नहीं हैं। हाइकोर्ट ने भी द्वारा सीजेएम प्रयागराज एसडीएम कोरांव को उक्त रिट के संदर्भ में प्रति भेजी है। पंचायत चुनाव आचार संहिता की इंतजार में है जिससे माफिया खुश हो जाएं।,,

-अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव प्रयागराज

न्यूज झरोखा

नक्सलियों द्वारा ठेकेदार की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण : संदीप पटेल, सपा विधायक ने मृतकों के परिजनों को दिया सांत्वना

कोरांव। गत दिनों थाना कोरांव ग्राम तुलापुर निवासी छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सड़क निर्माण का कार्य करवा रहे ठेकेदार इम्तियाज अली का नक्सलियों ने नृशंसता पूर्वक हत्या और नगर पंचायत कोरांव निवासी सुशील आदिवासी उर्फ मुंडे का अपराधियों ने गला रेत कर हत्या किया गया था जिसके क्रम में दिन शनिवार को मेजा विधायक संदीप पटेल मृतकों के घर पहुंच निंदा व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया और परिजनों सांत्वना दिया।इस मौके पर सपा विधायक ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गई है जिसके कारण अपराधी बेलगाम हो गए है इस जघन्य हत्याकांड से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है सरकार को चाहिए कि दोनों ही घटनाओं में परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और दोषियों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए समाजवादी पार्टी शोकाकुल परिजनों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके अधिकारों के लिए सड़क से लेकर सदन लड़ाई लड़ने का कार्य किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से सोमदत्त सिंह पटेल विधानसभा अध्यक्ष रामदेव निडर रविंद्र जैसल प्रधान मेहताब खान पवन सोनकर संजय यादव बसहारा रामानुज यादव राजेश यादव अश्वनी पटेल अजीत पटेल सुमन कोल त्रिवेणी यादव केशरी प्रसाद कुशवाहा अब्दुल समद खुश मोहम्मद दीपक पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

घर में घुसकर युवक को मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर युवक को दौडा लिए जब वह जान बचाकर दूसरे के घर में घुस गया तो घर में घुसकर मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम धना का पूरा निवासी रंजीत कुमार यादव पुत्र स्वर्गीय राम बहादुर का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर लाठी डंडा लेकर उसे दौडा लिए जब वह जान बचाकर गांव के पारसनाथ के घर में घुस गया तो घर में घुसकर मारे पीटे तथा मां कमला देवी के बीच बचाव में उसे भी मारा पीटा गया। और गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। जख्मी रंजिश कुमार ने मऊआइमा थाने में विनोद कुमार, रामचन्द्र,बृजभान उर्फ बच्चा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शोक संवेदना व्यक्त करने करछना के कई गांवों में पहुंचे उत्कर्ष रमण सिंह

प्रयागराज। करछना क्षेत्र में शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाने के उद्देश्य से युवा समाजसेवी उत्कर्ष रमण सिंह ने ककरम, केचुहा, निरिया सहित कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मृतक परिवारों के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। युवा नेता कार्तिकेय तिवारी ने बताया कि भ्रमण के दौरान उत्कर्ष रमण सिंह ने ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधान अमित मिश्रा, कमल मिश्रा, राजकुमार गौड़, सुरेश कुशवाहा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में अमिताभ पांडेय, आयुष तिवारी, प्रकाश शर्मा, मोनू भुंडा आदि ने भी सहभागिता की।

मन की बात सुनने के लिए भाजपाई एकत्रित

किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष ने पत्रकारों को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

मांडा। भरारी में रविवार को किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष के आवास पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता सुबह ग्यारह बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के लिए एकत्रित हुए।

टेलीविजन पर प्रसारित 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने आधुनिकीकरण के माध्यम से विभिन्न देशों और राज्यों में रोजगार सृजन पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को मूलभूत सुविधाओं से लाभान्वित करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने 'मन की बात' सुनने के लिए एकत्रित हुए सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान, जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने पूर्व सैनिकों और पत्रकारों को अंग वस्त्र, डायरी और पेन भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था भी की गई थी।इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री रामबली मौर्य, अमरेश चंद्र मिश्रा उर्फ पप्पू, शिव प्रताप सोनी, अरविंद कुमार सोनकर, आकाश सोनकर, शिवकुमार कुशवाहा, राजापुर के प्रधान प्रतिनिधि राजीव सिंह, दीपू शुक्ला, मुकेश पांडेय, राकेश पांडेय, मांडा मंडल अध्यक्ष लीलावती गुप्ता, अखिलेश शुक्ला, भोला शुक्ला, महेंद्र प्रजापति और सोशल मीडिया प्रभारी अभिषेक मिश्रा सहित कई अन्य भाजपाई उपस्थित रहे।

माघ मेला क्षेत्र में अनिकेत स्माइल फाउंडेशन का भूमि पूजन

कैंसर जागरूकता को मिलेगी नई दिशा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अनिकेत स्माइल फाउंडेशन प्रयागराज की ओर से माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर-6 में शासन द्वारा आवंटित भूमि का विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एकता चतुर्वेदी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस मौके पर डॉ. देव कुमार यादव ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा माघ मेला क्षेत्र में व्यापक कैंसर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

अभियान के तहत आमजन को कैंसर के लक्षण, रोकथाम एवं समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी जाएगी। विशेष रूप से महिलाओं को स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रुबी गुप्ता के सहयोग से परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही कैंसर से पीड़ित मरीजों को उचित देखभाल, परामर्श और उपचार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मोतीलाल पीजी कॉलेज प्रयागराज के प्रबंधक राजेंद्र कुमार मिश्रा, प्राचार्य डॉ. मणि शंकर द्विवेदी, उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार आरके पांडेय, कमला नेहरू अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने सहभागिता की।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के 141वें स्थापना दिवस पर जुटे कांग्रेसी

अखंड भारत संदेश

करछना। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस डेलौंहा मेजा में मनाया गया जिसमें वंदेमातरम गीत से शुरूआत हुई जिसकी अध्यक्षता अरुण तिवारी ने किया। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे निवर्तमान जिला अध्यक्ष अरुण तिवारी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस देश को आजाद कर एक नया स्वर्णिम इतिहास रचा। कांग्रेस ने सभी धर्मों को लेकर चलने की बात करती है लेकिन सत्ता में बैठे सत्ताधारी लोग इस देश में नफरत की बीज बोकर इस देश भाई चारे को तहस-नहस कर रही है। कांग्रेस हमेशा से इस देश के लिए गरीब-अमीर के बीच को भेद-भाव नहीं रखा सबको समानता के जरिए उनके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ती रही है। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष रामछबीले मिश्रा ने किया। संचालन कर रहे रामछबीले मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नाम पर मनरेगा था, जो आज मोदी सरकार उनके नाम को बदल रही है। मगर गांधी जी का नाम बदलकर गांधी बापू के अस्तित्व को नहीं मिटा सकती है। स्थापना दिवस के कार्यक्रम का समापन जिला उपाध्यक्ष शिव विजय सिंह जी ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ शीतला प्रसाद पाण्डेय, राम छबीले मिश्रा, डॉ दिनेश सोनी, आनन्द प्रकाश उर्फ बबलू शुक्ला, आसाराम मिश्रा, नागेश पाण्डेय, अतुल तिवारी, त्रिपुरारी कान्त मिश्रा, मानस तिवारी, शशिकांत मिश्रा, महेंद्र दुवेदी, कैलाश नाथ दुबे,नाहर मिश्रा,नीरज मिश्रा, रासिद अली, शिवलाल कोल, राजकुमार पटेल दरोगा, अतुल कनौजिया, पवनेश सोनी, आशुतोष केसरी, कृष्ण कांत मिश्रा, गुड्डु मिश्रा, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

1433 बूथों पर गूँजी 'मन की बात' संगठनात्मक चेतना का संचार

- प्रधानमंत्री मोदी का संदेश आत्मनिर्भर व विकसित भारत की प्रेरणा- राजेश शुक्ल
- यमुनापार में भाजपा कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से सुना कार्यक्रम

करछना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को भारतीय जनता पार्टी यमुनापार द्वारा पूरे उत्साह और संगठनात्मक अनुशासन के साथ 1433 बूथों पर सामूहिक रूप से सुना गया। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल के निदेर्शानुसार आयोजित हुआ, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रही।

जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने करछना विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 272, कपथुआ पर कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की दिशा में जन-जन को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम है। यह आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत और सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री के विचार कार्यकताओं को सेवा, समर्पण और संगठन की शक्ति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की शक्ति उसका कार्यकर्ता है और बूथ स्तर पर इस प्रकार के कार्यक्रम संगठन को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। मन की बात से हमें राष्ट्रहित में कार्य करने की नई ऊर्जा मिलती है। वहीं भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बारा विधानसभा क्षेत्र के नारीबारी, झंझरा चौबे बूथ संख्या 269 पर भाजपा कार्यकताओं एवं व्यापारियों के साथ ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता रामभवन द्विवेदी, आनंद तिवारी, धर्मराज पाल, सुभाष चतुर्वेदी, लाला केसरवानी, विधाकांत मिश्र बबलू, राजकुमार साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों पर चर्चा करते हुए उन्हें जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया तथा संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की।

क्रिकेट से खो खो तक,चंद्रशेखर आजाद ग्रुप के खेल महोत्सव ने बांधा समां

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ में चन्द्रशेखर आजाद ग्रुप ऑफ एजुकेशन, शिक्षक नगर, शंकरगढ़ द्वारा राजा कमलाकर इंटर कॉलेज के मैदान में 25 दिसंबर से आयोजित खेल महोत्सव अपने चरम पर पहुँच गया। 28 दिसंबर को क्रिकेट, बैडमिंटन एवं खो-खो प्रतियोगिताओं ने खिलाड़ियों के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।खेल समारोह में संस्थान के प्रबंधक डॉ. विवेक श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य प्रतिमा श्रीवास्तव, शिक्षकगण, स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पूरा मैदान खेल भावना, अनुशासन और जोश से गूंजता नजर आया।इस अवसर पर प्रबंधक डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम हैं। संस्थान का उद्देश्य है कि छात्र शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ें और समाज व राष्ट्र का नाम रोशन करें।वहीं प्रधानाचार्य प्रतिमा श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे खेल महोत्सव विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक सोच का विकास करते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेलों को भी समान महत्व दिया जाना आवश्यक है।आयोजन में व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद केसरवानी, उपाध्यक्ष रोहित केसरवानी, दिलीप केसरवानी उर्फ मुखिया, मंडल उपाध्यक्ष उमा वर्मा, मंडल मंत्री राम जतन बंसल, दीपक केसरवानी समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मानस मराल व पूर्व स्टेशन अधीक्षक बी डी शुक्ल की सातवीं पुण्यतिथि आपसी समरसता दिवस के रूप में मनाई गई

करछना। जानकी फाउंडेशन के तत्वावधान में स्मृति शेष पं बीडी शुक्ल मानस मराल व पूर्व स्टेशन अधीक्षक की 7 वीं पुण्यतिथि शुक्लगंज में शनिवार को मनाई गई । जिसमें मौजूद वक्ताओं की ओर से उनके जीवन चरित्र के कृतित्व व व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया । और आपस में मानस संगोष्ठी भी आयोजित हुई। जिसमें गायक संगीतज्ञ कलाकार कमला शंकर शुक्ल की ओर से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का पारायण भी हुआ। कार्यक्रम में जुटे लोगों की ओर से उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई । साथ ही साथ उनको नमन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक व संयोजक की ओर से मौजूद अतिथियों का अंगवस्त्रम भेट कर के उनको सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के आयोजक व संयोजक रहे उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं राज्य विधि अधिकारी पंकज अवध शुक्ल की ओर से स्वागत भाषण करते हुए सभी के प्रति आभार जताया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिल शुक्ल ने किया। इस मौके पर भाजपा यमुना पार के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ल, पूर्व विधायक करछना आनंद कुमार कलेक्टर पांडेय , भाजपा प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, ब्लॉक प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र, पूर्व ब्लाक प्रमुख मूजा प्रेम शंकर मुन्नन शुक्ल, शोभ नारायण द्विवेदी, त्रिवेणी प्रसाद पांडेय, नित्यानंद द्विवेदी, उपेंद्र जी महाराज, संतोष मिश्र, उमाकांत तिवारी, त्रिवेणी प्रसाद मिश्र, पवन कुमार मिश्र, राजेश, विवेक, शशिकांत, प्रभा शंकर, अवध नारायण, सुधाकर, विनय सिंह, सुरेश, गणेश, शिशिन, विवेक सहित आदि लोग मौजूद रहे।

माघ मेले में पहली बार 49 सौ संस्थाओं को दी गई जमीन, सुविधा मुहैया कराने में जुटे अफसर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेले में संस्थाओं को भूमि आवंटन की प्रक्रिया शनिवार को पूरी कर ली गई। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने लक्ष्य के अनुरूप 800 हेक्टेयर फैले मेला क्षेत्र में 4900 संस्थाओं को भूमि आवंटित की है। मेले में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में संस्थाओं को जमीन का आवंटन किया गया है। वर्ष 2024 के माघ मेले में 4,599 संस्थाओं को भूमि आवंटित की गई थी। इस बार में 301 नई संस्थाओं को भी क्षेत्र में शिविर लगाने का मौका दिया गया है। भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मेला प्राधिकरण के अफसर बसावट और श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने में जुट गए हैं। मेला क्षेत्र में लक्ष्य के अनुरूप पानी की पाइपलाइन और बिजली के तार बिछाने का काम पूरा हो चुका है। ऐसे में संस्थाओं को शिविर लगाते हुए बिजली और पानी की सुविधा तत्काल उपलब्ध करा दी जाएगी।

मेलाधिकारी ऋषि राज ने बताया कि सभी सेक्टर प्रभारियों को बसावट कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। मेला को सात सेक्टरों में विभाजित किया गया है। बसावट संबंधित समस्यों के निस्तारण और सूचनाओं के लिए श्रद्धालु अपने-अपने सेक्टर कार्यालयों और वहां के प्रभारियों से संपर्क कर सकते हैं। सभी सेक्टर प्रभारियों के मोबाइल नंबर मेला कार्यालय के बाहर सूचना पट पर प्रदर्शित कर दिए गए हैं। समस्याओं के निदान के लिए मेला हेल्पलाइन नंबर 1920 पर भी संपर्क किया जा सकता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि 28 दिसंबर से मेला क्षेत्र की बसावट, 2.8 किमी की दूरी तक घाटों के निर्माण, अन्य मूलभूत सुविधाओं एवं भीड़ प्रबंधन के कार्यों में गति लाते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराना सुनिश्चित करेंगे।

नियम-शर्तें न मानने पर ब्लैक लिस्ट होंगी संस्थाएं

मेलाधिकारी ने बताया कि सभी संस्थाओं की जांच कराई जाएगी और जो संस्थाएं नियम व शर्तों का पालन नहीं करेंगी, उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। इसके साथ ही संदिग्ध संस्थाओं को भी चिह्नित किया जाएगा और देखा जाएगा कि जिस उद्देश्य से उन्हें भूमि आवंटित की गई है, संस्थाएं उस उद्देश्य को पूरा कर पा रही हैं या नहीं।

भीषण शीतलहर के चलते कक्षा 1 से 12 तक के विद्यालय दो दिन रहेंगे बंद

प्रयागराज। जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देशानुसार अत्यधिक शीतलहर, ठंड एवं घने कोहरे को देखते हुए जनपद के कक्षा 1 से 12 तक के समस्त विद्यालयों में 29 एवं 30 दिसंबर को शिक्षण कार्य बंद रहेगा। यह आदेश परिषदीय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों सहित सीबीएसई, आईसीएसई एवं अन्य सभी बोर्डों पर लागू होगा। इस अवधि में छात्र-छात्राएं विद्यालय नहीं आएंगे। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार के अनुसार शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं अन्य कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित रहकर प्रशासनिक एवं अन्य आवश्यक कार्यों का निर्वहन करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालयों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मंडलायुक्त ने मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल रविवार को माघ मेला 2026 की सन्निकटता के दृष्टिगत मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों का नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, उप मेलाधिकारीङ्क माघ मेला तथा संबंधित विभागों के अधीक्षण अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ता के साथ भ्रमण किया गया। मंडलायुक्त ने भ्रमण के दौरान मेला क्षेत्र में तैयार कराये जा रहे विभिन्न घाटों को देखा गया और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं/व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए समस्त घाटों एवं आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं को मेला प्रारम्भ होने के पूर्व समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए । मेला क्षेत्र के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं विभागीय अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि अपनेझअपने क्षेत्रों में निरन्तर भ्रमण करते हुए कार्यों की जानकारी लेते रहें।

29 दिसंबर कोअभिराजी विहार पब्लिक स्कूल मांडा में निःशुल्क नेत्र शिविर आज

मांडा। प्रयागराज के मांडा स्थित अभिराजी विहार पब्लिक स्कूल में 29 दिसंबर 2025, सोमवार को एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में आँखों की मुफ्त जांच की जाएगी और जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे भी दिए जाएंगे। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के इच्छुक मरीजों को उसी दिन चित्रकूट ले जाया जाएगा। शिविर में जांच कराने आने वाले लोगों के लिए आधार कार्ड की फोटोकॉपी लाना अनिवार्य होगा। अभिराजी विहार पब्लिक स्कूल मांडा के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार ने उक्त शिविर में अधिक से अधिक लोगों को पहुंच कर लाभ उठाने की अपील की है।

चन्द्रशेखर आजाद पार्क में गुलदाउदी एवं कोलियस प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज । विगत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में दिनांक -27 व 28.12.2025 को दो दिवसीय गुलदाऊदी एवं कोलियस प्रदर्शनी-2025 का आयोजन किया गया है। दिनांक 28.12.2025 को कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुदित चन्द्रा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, एन0सी0आर0 प्रयागराज एवं विशिष्ट अतिथि वीरेन्द्र सिंह, मुख्य उद्यान विशेषज्ञ, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग, प्रयागराज के हाथों प्रदर्शनी में भागीदारी करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित किया गया। व्यक्तिगत वर्ग के प्रतिभागी मुकुन्द लाल, हथिगहॉ प्रयागराज को ओवर आल गुलदाउदी व कोलियस में प्रथम पुरस्कार, डॉ0 अजय केसरवानी, कटघर प्रयागराज को द्वितीय एवं हरि नेत्रालय, पन्ना रोड, प्रयागराज को व्यक्तिगत वर्ग में ही प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार सरकारी, अर्द्धसरकारी वर्ग में छोटे एवं बड़े गुलदाउदी पुष्प किस्मों में सुरेश कुमार यादव, प्रभारी मोती लाल उद्यान इकाई को प्रथम, शिव कुमार मौर्य, प्रभारी बैण्ड स्टैण्ड उद्यान इकाई को द्वितीय एवं पूजा, प्रभारी अंगूर उद्यान इकाई को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। अधीक्षक राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क प्रयागराज द्वारा बताया किया कि प्रदर्शनी में गुलदाऊदी एवं कोलियस के विभिन्न वर्गों में कुल-87 प्रविष्टियॉं लगायी गयी। जिनमें कुल-56 प्रविष्टियों पर 59 पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुदित चन्द्रा द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि प्रदर्शनी में लगे विभिन्न प्रजातियों के गुलदाउदी पुष्प एवं कोलियस प्रकृति, सौन्दर्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक है। उनके द्वारा व्यक्तिगत श्रेणी में प्रतिभाग करने वाले प्रतियोगियों को प्रोत्साहन प्रदान करते हुए अगली बार और उत्साह से प्रदर्शनी में भाग लेने हेतु आहवान किया।पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में डॉ0 आर0ई0 विल्सन, वैज्ञानिक, शुआटस, डॉ0 मनोज कुमार सिंह, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, कौशाम्बी, उपस्थित रहें।

मारपीट का विरोध करने पर चार पहिया वाहन से कुचला, तीन घायल, आक्रोशित लोगों ने किया थाने का घेराव

प्रयागराज । यमुनापार इलाके में औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर में मारपीट का विरोध करने पर लोगों को चार पहिया वाहन से कुचलने का मामला सामने आया है। वारदात में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से आक्रोशित लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। आरोप है कि घटना की लिखित शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी अमित कुमार शनिवार की रात घर के समीप एक किराने की दुकान से सामान खरीदने गया था। इस दौरान गांव के ही एक युवक ने उसे अपने पास बुलाया। वह सामान खरीद रहा था, इसलिए उसे मौके पर जाने में देर हो गई, जिससे वह गुस्सा हो गया और उसने अमित की पिटाई कर दी। अमित ने घर पहुंचकर यह बात अपने परिजनों को बताई।परिवार के लोग जब आरोपी के घर उलाहना देने पहुंचे तो आरोपी उसी समय पहुंच गया और उसने चार पहिया वाहन से सभी को कुचल दिया। वारदात में अमित कुमार, शिव लोचन और कौंधियारा थाना क्षेत्र के चितौरा निवासी सुनील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद लोग थाने पहुंचकर मामले की तहरीर दी, लेकिन पुलिस द्वारा मामले की लिखापढ़ी नहीं की गई। उन्हें टरका दिया गया। जिससे आक्रोश और बढ़ गया और लोगों ने थाने का घेराव किया। घटना में घायल लोगों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भरत चरित्र निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण की सबसे बड़ी शिक्षाः आचार्य संदीप शास्त्री

जंघई। श्रीराम जानकी मंदिर जंघई में आयोजित श्रीराम कथा में कथावाचक आचार्य संदीप शास्त्री महाराज ने रविवार की कथा में राम वन गमन, भरत चरित्र का वर्णन करते हुए भगवान श्री राम के वनवास और भरत चरित्र की महत्ता पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि भरत चरित्र भाईचारे और त्याग का संदेश देती है। महाराज ने कहा कि दासी मंथरा के कहने पर माता कैकेई ने राजा दशरथ से दो वर मांगती हैं जिसमे राम को वन, भरत को राजगद्दी। पिता की आज्ञा लेकर भगवान राम, लक्ष्मण जानकी के साथ वनवास गए तथा केवट, निषादराज पर उपकार किया। महाराज ने भरत चरित्र का मार्मिक वर्णन किया उन्होंने बताया कि भरत का चरित्र हमें भाई के प्रति निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण की सबसे बड़ी शिक्षा देता है। कथा व्यास ने भरत-मिलाप और भरत चरित्र जिक्र तरते हुए कहा कि संसार में भाई हो तो भरत जैसा। जब भगवान श्रीराम को वनवास मिला तो भरत ने अयोध्या का राजपाट स्वीकार करने के बजाय भगवान राम की चरण पादुका को सिंहासन पर रखकर एक सेवक की भांति 14 वर्षों तक तपस्या किया। वर्तमान समय में भरत चरित्र की बहुत बड़ी प्राथमिकता है जिस स्वार्थ के कारण आज भाई भाई का दुश्मन जैसा व्यवहार करते हैं। वहीं भरत चरित्र हमें त्याग, संयम धैर्य और ईश्वर के प्रति प्रेम सिखाता है भरत प्रेम और भक्ति की साक्षात मूर्ति है। इस अवसर पर मुख्य यजमान आयुष जायसवाल, मुख्य अतिथि पंकज मिश्रा समाजसेवी, महंथ चंद्रमा दास जी महराज, अशोक द्विवेदी, रमेश तिवारी, कुशलेश दुबे, प्रवीण तिवारी जेई, दीना मिश्रा, अजय पांडेय, सभाजीत पांडेय, संदीप तिवारी, शिवम मालवीय, मनीष पांडेय, रत्नेश पांडेय, रिंकू मिश्र, किशन पाठक, शैलेश पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

उरुवा में एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्नमुखीकरण कार्यक्रम आज

मेजा । ब्लॉक संसाधन केंद्र उरुवा द्वारा बृंदावन गेस्ट हाऊस बिहहिजन,मेजारोड में आज 29 दिसंबर 2025 को विकास खंड उरुवा के समस्त ग्राम प्रधानों, स्थानीय प्राधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व प्रत्येक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्नमुखीकरण का आयोजन विभागीय योजनाओं,कार्यक्रमों के विषय में किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभागीय कार्यक्रम एवं गतिविधियों छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित किया जाना है। इससे जहां बच्चों के नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव में सकारात्मक वृद्धि होगी, वही समुदाय, अभिभावकों एवं ग्राम पंचायतों का विद्यालय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय सहभागिता भी सुनिश्चित करेगी। वहीं बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने ब्लॉक के सभी परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को अनिवार्य रूप से आज उक्त कार्यक्रम में सुबह 9:30 बजे तक पहुँचने हेतु निर्देशित किया है और साथ ही साथ अपने-अपने गाँवसभा के ग्राम प्रधानों को भी उक्त कार्यक्रम में आमंत्रित कर साथ लेकर आने को कहा है।

गंगा ऋषिकुलकम स्कूल में स्पोर्ट्स डे पर बच्चे मेडल व सर्टिफिकेट के साथ हुए सम्मानित

शिक्षा के साथ खेल में भी बच्चे बढ़ रहे आगे : डायरेक्टर मत्स्येंद्र द्विवेदी

थरवई। शिक्षा हो या खेल जगत अब हर क्षेत्र में बच्चे बढ़ रहे आगे और स्थान प्राप्त कर अच्छे मुकाम को कर रहे हैं हासिल। आज खेल जगत में भी बच्चे बढ़ रहे आगे जिससे शारीरिक एवं मानसिक विकास में भी वृद्धि होती है और खेल की बहुत ही अहम् भूमिका मानी जाती है। उसी क्रम में जनपद प्रयागराज गंगापार में शिक्षा के क्षेत्र में चर्चित गंगा ऋषिकुलम स्कूल सेक्टर - सी शांतिपुरम फाफामऊ में बड़े ही भव्य तरीके से खेल प्रतियोगिता आयोजित करायी गई थी जिसमें दौड़, खो - खो, कबड्डी सहित आदि कई खेल प्रतियोगिताएं हुई थीं जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा 5 वीं तक के बच्चों ने इन सभी खेलों में प्रतिभाग किये थे और सभी चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान बच्चों ने प्राप्त किया था। जिसमें 24 दिसंबर को स्पोर्ट्स - डे पर खेल प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को स्कूल के डायरेक्टर मत्स्येंद्र द्विवेदी एवं प्रिंसिपल प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा मेडल व सर्टिफिकेट के साथ उनको सम्मानित करते हुए बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे डायरेक्टर मत्स्येंद्र द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में बतलाया की खेल बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है जिससे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। स्कूल में आयोजित की गई थी खेल प्रतियोगिता जिसमें दौड़, खो - खो, कबड्डी आदि खेल प्रतियोगिता कराई गई थी जिसमें बच्चों ने स्थान प्राप्त किया था उनका हौसला बढ़ाने एवं शिक्षा क्के साथ साथ खेल में भी रूचि रखें जिससे आगे भी खेल के माध्यम से भी बच्चे आगे बढ़ें और एक अच्छा मुकाम हासिल कर अपने जनपद व प्रदेश के साथ अपने माता-पिता एवं विद्यालय का भी नाम रोशन करें। उसी क्रम में प्रिंसिपल प्रतिभा त्रिपाठी ने बताया कि अच्छी शिक्षा ही असली सफलता की सीढ़ी होती है अगर बच्चों में शुरू से ही उन्हें अच्छे शिक्षा दी जाए तो बच्चे सफलता जरुर हासिल करेंगे। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मौजूद रहे को - ऑर्डिनेटर अरविंद मिश्रा टीचर्स में सौम्या पाण्डेय, गीता वर्मा सहित समस्त टीचर्स गण आदि मौजूद रहे।

सांसद खेल स्पर्धा में मेजा विधानसभा का दबदबा

मेजा विधानसभा के खिलाड़ियों ने वॉलीबाल, फुटबॉल आदि कई खेलो में जीता मेडल।

अखंड भारत संदेश

मेजा। गत दिवस स्थानीय मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम,प्रयागराज में खेल एवं युवा कल्याण विभाग और जिला प्रशासन प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांसद स्पर्धा-2025 के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुई,जिसमें जिले के कुल 12 विधानसभा क्षेत्र की टीमों ने प्रतिभाग किया था। उपरोक्त जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में मेजा विधानसभा क्षेत्र की टीमों ने विभिन्न कई खेलों में अपना दबदबा बनाए रखते हुए मेजा क्षेत्र का परचम लहराया। जिसमें सीनियर पुरुष वर्ग की कबड्डी एवं वॉलीबाल प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र मेजा की टीम ने इस वर्ष पुनः गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। मेजा विधानसभा के प्रभारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी शिवम सिंह ने बताया कि वॉलीबाल खेल में मेजा क्षेत्र की टीम ने जूनियर (अंडर-19) बालक वर्ग और सब जूनियर (अंडर-16) बालक वर्ग में भी सिल्वर मेडल जीतकर उपविजेता होने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त के अतिरिक्त फुटबॉल और एथलेटिक्स खेल की भी कई प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर मेजा विधानसभा का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों द्वारा मेजा विधानसभा क्षेत्र का नाम रोशन करने पर व्यापार मंडल मेजारोड के अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, नित्यानंद उपाध्याय, विधायक संदीप पटेल, राजू शुक्ला, आशीष मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि उरुवा पप्पू गौतम, सुशील मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा मिश्रा, जिला वॉलीबाल संघ प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला, अभिषेक तिवारी, शैलेश पांडेय, बाबा तिवारी, मनीष तिवारी, अमरेश तिवारी, नितेश तिवारी, शिव उपाध्याय, विनोद शुक्ला व दिलीप शुक्ला आदि कई समाज सेवकों ने बधाइयां देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

अनुकंपा नौकरी के लिए 12 साल बाद हाईकोर्ट पहुंचा युवक, याचिका खारिज, कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पुराने सेवा विवाद में दाखिल की गई समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 4,430 दिन (करीब 12 साल) की देरी से दाखिल याचिका के पीछे कोई ठोस कारण नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने सहारनपुर निवासी की समीक्षा याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मामला सहारनपुर जिले के मूल निवासी मुल्की राज से जुड़ा है।मुल्की राज ने साल 1996 में हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने अपनी सेवा से जुड़े विवाद को चुनौती दी थी। इस मामले में उन्हें कुछ समय के लिए अंतरिम राहत भी मिली। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस रिट याचिका को 10 सितंबर 2013 को पूरी सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था। इसके बाद मुल्की राज ने न तो इस आदेश के खिलाफ कोई अपील की और न ही समीक्षा याचिका दाखिल की।मुल्की राज साल 2018 तक सेवा में रहे। 2021 में उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद उनके बेटे ने हाईकोर्ट में समीक्षा याचिका दाखिल की कि वर्ष 2013 का कोर्ट आदेश उनकी अनुकंपा नियुक्ति (सरकारी नौकरी) के रास्ते में बाधा बन रहा है।

क्रिसमस त्योहार पर सेंट जोसेफ स्कूल कॉलेज के होगन हाल में भव्य समारोह का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। क्रिसमस त्योहार के अवसर पर सेंट जोसेफ स्कूल कॉलेज के होगन हाल में रविवार को भव्य समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेई भी शामिल रहे। इस समारोह में रोमन कैथोलिक डायोसीज ऑफ इलाहाबाद ने सेंट जोसेफ कॉलेज, प्रयागराज में अपने वार्षिक क्रिसमन मिलन कार्यक्रम का आयोजन कर उत्सव, साहचर्य और सामुदायिक सौहार्द की भावना का जश्न मनाया।इलाहाबाद के विशप, मोस्ट रेवरेंड लुईस मस्करेनहास के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिक प्रशासन, न्यायपालिका, विधायिका, प्रेम एवं मीडिया और शहर के विभिन अधिकारियों सहित विशिष्ट अतिथि एकत्रित हुए। यह सभा चर्च और व्यापक समुदाय के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने और आभार व्यक्त करने का एक अवसर थी।कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद खुशनुमा क्रिसमस कैरल्स की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात, मोस्ट रेव, लुईस मस्करेनहास ने शांति, सेवा और मद्भावना के मूल्यों को दशार्ते हुए एक विशेष क्रिसमस संदेश दिया।अपने संबोधन में, विशप मस्करेनहास ने अतिथियों के निरंतर महयोग और समर्थन के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'हम अपने प्रशासनिक अग्रणियों, पुलिस अधिकारियों, न्यायपालिका के सदस्यों, नागरिक सेवकों, प्रेस एवं मीडिया और सभी जनप्रतिनिधियों के दृढ साझेदारी के लिए अत्यंत आभारी हैं। आपका यह समर्पण हमारे ममस्त समुदाय की भलाई और शांतिपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करता है. और हम इस सहयोगात्मक संबंध को गहराई से महत्व देते हैं।

इसके पश्चात, एक रुचिकर हाई टी के साथ उत्सव का माहौल और आनंदमय हो गया, जिसने आपसी वातार्लाप एवं संवाद का एक सहज अवसर प्रदान कर कार्यक्रम के समापन को सार्थक बना दिया।

रोमन कैथोलिक डायोमीज ऑफ इलाहाबाद, विशप लूईस मस्करेनहास के मार्गदर्शन में शैक्षिक, चिकित्सीय एवं मामाजिक सेवा के क्षेत्रों में सक्रिय है, जो मामुदायिक सद्भाव और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करता है।

न्यूज झरोखा

नैनी की प्रमुख समस्याओं को लेकर यमुनापार विकास समिति की बैठक सम्पन्न

नैनी। नैनी यमुनापार विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई, जिसमें नैनी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरेन्द्र चौधरी तथा संचालन गजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। बैठक में समाजसेवी अनिल द्विवेदी ने कड़ाके की ठंड के बीच चौराहों पर अलाव की व्यवस्था न होने पर चिंता व्यक्त की। जगदम्बा शुक्ल ने कहा कि शाम के समय कोहरा छाया रहता है प्रमुख मार्गों व चौराहों पर यातायात की समुचित व्यवस्था न होने से दुर्घटनाएं होती रहती है। गंगा ठाकुर ने कहा कि अवन्तिका कॉलोनी नैनी की सड़कों पर जगह जगह स्ट्रीट लाइट खराब होने से अंधेरा बना रहता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। समाजसेवी सुभाष चन्द्र ने भी नैनी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा किया। बैठक में अखिलेश सिंह, रणवीर प्रताप सिंह, गोविंद सिंह चौहान, सुषमा विश्वकर्मा, कृष्णा शुक्ला, विवेक द्विवेदी, मंजू भल्ला आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान नहीं किया गया तो समिति के पदाधिकारी संबंधित अधिकारियों के खिलाफ संघर्ष का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

श्री अवंतिका रामलीला पार्क में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन

नैनी। नैनी पीडीए कॉलोनी स्थित श्री अवंतिका रामलीला पार्क मे रविवार को सकल हिंदू समाज आयोजन समिति के द्वारा भव्य विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जगत गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य महाराज एवं आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक रामाशीष द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हु? वरिष्ठ प्रचारक रामाशीष ने कहा कि राम ही राष्ट्र हैं। हमारे देवी देवता हमारे राष्ट्र के पर्याय हैं। उनकी जय-जयकार वास्तव में राष्ट्र की ही जय-जयकार है। हिंदू धर्म पूजा पद्धति नहीं बल्कि जीवन पद्धति है। उन्होंने पंच परिवर्तन की अत्यंत सरल व्याख्या की। जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि वेदों का संविधान ही समग्र हिंदू समाज का संविधान है। हिंदू धर्म हमें करुणा, मैत्री और सहिष्णुता का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने अंदर देवत्व को विकसित करने की आवश्यकता है। चंद्रा प्ले वे स्कूल एवं सन बीम एकेडमी के बच्चों ने अत्यंत सुंदर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। डॉ आस्था पांडेय एवं अवधेश पांडेय ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री सत्यम शुक्ला, आरएसएस के जिला प्रचारक मंगल जी, बी बी दुबे, आरएलडी दुबे, दुर्गेश दुबे, राजेंद्र शुक्ला, मूंछ नर्तक दुकान जी, वागेश पांडेय, साधना पांडेय, गीता गुप्ता, वी के गुप्ता, वंश नारायण चौबे, हरिशंकर सिंह, संजय चतुर्वेदी, राजकरण भारतीय, दशरथ प्रसाद मिश्रा, राकेश त्रिपाठी, अंबरीश दुबे, अरुण तिवारी, धीरज मिश्रा, अनंत झा, उदय प्रताप सिंह, विजयकांत तिवारी, प्रमोद तिवारी, शुभ्रांशु पांडेय, बी बी सिंह, सुनील साहनी, उमाशंकर दुबे, अमित पांडेय, प्रांजल पांडेय, मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं व व्यापारियों ने सामूहिक रूप से सुना पीएम मोदी का मन की बात

सहसों। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं स्थानीय व्यापारियों द्वारा रविवार को सहसों बाजार स्थित अशोक कुमार केसरवानी के प्रतिष्ठान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो एवं टेलीविजन पर कार्यक्रम मन की बात के 168वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में जिला संयोजक नमामि गंगे भाजपा गंगापार राजधर द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को जनहित, स्वच्छता, राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक सहभागिता से जोड़ते हुए उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों की सराहना करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर भारत और विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बताया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री शिव बाबू केसरवानी, निखिल तिवारी, पिंटू केसरवानी, घनश्याम केसरवानी, प्रमोद केसरवानी, रवि कुमार, फूलचंद्र साहू, देव एवं रितेश कुमार सहित आदि भाजपा कार्यकर्ता एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

नैनी प्रेस क्लब का हुआ गठन सुनील गिरि संयोजक, सुनील केसरवानी अध्यक्ष बने

नैनी। नैनी स्थित न्यू स्वयंवर गेस्ट हाउस में रविवार को यमुनापार के पत्रकारों की बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से नैनी प्रेस क्लब यमुनापार का संयोजक सुनील गिरि को बनाया गया। जबकि अध्यक्ष सुनील केसरवानी और महामंत्री अजय सिंह को सर्व सम्मति से चुना गया। अभय प्रताप सिंह को संयुक्त सचिव, मिथिलेश त्रिपाठी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दिवाकर पाल और प्रिया मिश्रा को उपाध्यक्ष, अशरफ अली को कोषाध्यक्ष, मुकेश विश्वकर्मा को संगठन मंत्री, शिवम वर्मा को आय-व्यय निरीक्षक, राकेश गुप्ता को प्रचार मंत्री चुना गया। वेदानंद विश्वकर्मा, सुहेल अकरम और गिरजा शंकर तिवारी को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। सूर्य प्रकाश त्रिपाठी और सूबेदार सिंह संरक्षक बनाया गया। बैठक में उपस्थित पत्रकारों के कहा कि संगठन बनने से अब पत्रकार निर्भीक होकर पत्रकारिता कर पाएंगें। वहीं निष्पक्ष और बेबाक पत्रकारिता के क्षेत्र में यह मजबूत कदम होगा। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने चुने गए पदाधिकारियों को माला पहनकर और मिठाई खिलाकर स्वागत करते हुए बधाई दी।

विधायक डॉ. वाचस्पति की अगुवाई में एमवी कॉन्वेंट स्कूल में बैठक, बड़े कार्यक्रम की तैयारी तेज

जसरा। यमुनानगर क्षेत्र के विधानसभा बारा अंतर्गत एमवी कॉन्वेंट स्कूल, गौहनिया में आगामी होने वाले कार्यक्रम को लेकर बारा विधायक डॉ. वाचस्पति की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा, अपना दल (एस), निषाद पार्टी, एमवी ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सम्मानित पत्रकार बंधु भी मौजूद रहे, जिससे आयोजन को लेकर व्यापक सहमति और उत्साह देखने को मिला। कहानी की तरह आगे बढ़ती इस बैठक में विधायक डॉ. वाचस्पति ने सबसे पहले कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व को रखा।उन्होंने कहा कि यह आयोजन जनसरोकारों, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती का प्रतीक बनेगा। उनके शब्दों में आत्मविश्वास और तैयारी की झलक साफ नजर आई, जिसे सुनकर कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ।बैठक में गठबंधन के दर्जनों कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। किसी ने व्यवस्था की जिम्मेदारी उठाने की बात कही तो किसी ने जनसंपर्क को मजबूत करने का सुझाव दिया। एमवी ग्रुप की ओर से कार्यक्रम स्थल से जुड़ी सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित और यादगार बन सके। विधायक डॉ. वाचस्पति ने सभी से आपसी तालमेल बनाए रखने और समयबद्ध तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब सभी दल और संगठन एक साथ खड़े होते हैं, तभी बड़ा संदेश जाता है। बैठक में मौजूद पत्रकारों ने भी आयोजन को लेकर सकारात्मक संवाद स्थापित किया, जिससे कार्यक्रम की रूपरेखा और अधिक स्पष्ट होती चली गई। अंत में यह तय किया गया कि जल्द ही तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाया जाएगा। कुल मिलाकर डॉ. वाचस्पति के नेतृत्व में हुई यह बैठक बारा विधानसभा में आने वाले बड़े आयोजन की मजबूत नींव साबित होती नजर आई।

मानक के अनुसार सड़क निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

बनने के एक सप्ताह बाद ही उखड़ कर बिखर गई सड़क

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क एक सप्ताह में उखड़ गई।जिसके विरोध में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई की मांग की है। विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम के अंतर्गत सराय भवानी चौपई मार्ग को लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार एक सप्ताह पूर्व पेंटिंग का कार्य कराया और मानक को ताक पर रखकर घटिया सामग्री का प्रयोग किया। जिससे सड़क एक हफ्ते बाद ही उखड़ गई। इसके विरोध में रविवार को दर्जनों ग्रामीणों ने सड़क पर खड़े होकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान ग्रामीणों ने बनाई गई सड़क की गिट्टी को हाथ व पैर से बटोर कर भ्रष्टाचार की पोल खोल दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क के लेपन कार्य में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का का प्रयोग किया गया और बनने के एक सप्ताह बाद ही लाखों की नवनिर्मित सड़क उखड़ कर बिखर गई। ठेकेदार के विरुद्ध गांव के गुरु प्रसाद तिवारी, कृष्ण प्रसाद तिवारी, भास्कर द्विवेदी,अभय कुमार त्रिपाठी, गंगा प्रसाद तिवारी, राकेश उमरवैश्य, ननकू प्रजापति, गोपाल सिंह, दुलारी सिंह, अशोक कुमार सहित दर्जनों ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने इस भ्रष्टाचार के खिलाफ जिलाधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए मामले की जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हिंदू एकजुट होगा तभी भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करेगा : चिंतामणि

प्रतापगढ़। सदर खंड के पूरे भैया धरमपुर गांव में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। मुख्य वक्ता जिला संघ चालक चिंता मणि दुबे ने कहा कि हिंदू समाज आपस में जागृत रहे और संगठित रहे। क्योंकि आपस में बंटने के कारण लोगों ने पांच सौ साल हम सब के बीच फूट डालकर राज किया। विश्व अनेक प्रकार के समस्याओं से जूझ रहा है। इसका समाधान दुनिया के तमाम विद्वान भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की परंपराओं में तलाश रहे है। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर किन्नर वैष्णव अखाड़ा अंजली दीदी ने कहा कि हिंदू हिंदुत्व भारत की आत्मा हैं। और पंच परिवर्तन की चर्चा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सियाराम उमरवैश्य ने की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि महंत योगेश, सुखदेव, संघचालक कृष्ण देव, खंड कार्यवाह रवि, सहखंड कार्यवाह आशीष, राकेश सिंह, सचिन सिंह शोलू, कुलदीप, धनंजय, सत्यम तिवारी, प्रवीण सिंह, राजाराम वैश्य, संतोष तिवारी, राज शुक्ल, कुंदन तिवारी, अंकित सिंह, रमेश शुक्ल, लव शुक्ल, रिंकू तिवारी समेत सैकड़ों हिन्दू उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

चोरों ने चार घरों को बनाया निशाना, लाखों के गहने व नकदी चोरी

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के जालेपुर औराईन गांव में शनिवार व रविवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने चार घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने व नगदी पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब परिजन सोकर उठे तो चोरी की जानकारी हुई। जिससे गांव में हड़कंप मच गया। पीड़ितों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार, जालेपुर औराईन गांव निवासी नंदलाल पांडे के घर से चोर मंगलसूत्र, चैन, झुमका तथा 30 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। वहीं मनीष मिश्रा के घर से झुमका, पायल, हार सहित 10 हजार रुपये नकद पर चोरों ने हाथ साफ किया।तीसरी चोरी की घटना हौसलीला प्रसाद मिश्रा के घर में हुई, जहां परिवार बाहर रहता है और घर में ताला बंद था। इसके अलावा राहुल मिश्रा के घर से सोने की अंगूठी, झुमका, पायल, कमर करधन सहित अन्य कीमती गहने चोरी होने की बात सामने आई है।बताया जा रहा है कि चोर घर के पीछे रस्सी के सहारे छत पर चढ़े और वारदात को अंजाम दिया। पीड़ितों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपए की ठगी

पट्टी। आसपुर देवसरा इलाके के गोदल पट्टी निवासी राकेश कुमार ने जितेंद्र प्रताप सिंह एलाही आसपुर देवसरा, रणविजय सिंह कुशहा थाना बदलापुर जौनपुर, मंजेश कुमार निवासी बनरहा खुटहन जौनपुर के विरुद्ध नौकरी का झांसा देकर 5 लाख रुपए ठगने पर धोखाधड़ी जालसाजी समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी आसपुर देवसरा थाने में न्यायालय के आदेश पर दर्ज कराई है। न्यायालय में दाखिल किए वाद में पीड़ित ने बताया कि सभी नामजद आरोपियों द्वारा एफसीआई फतेहपुर में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और उसे विश्वास में लेकर 4 लाख 90 हजार रुपए चेक के जरिए ट्रांसफर करा लिए, बाकी पैसा कैश लिया। बाद में उसे एक फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिया गया और ट्रेनिंग के बहाने फतेहपुर में तीन दिन रोके रखा और होटल का बिल भी उससे भरवाया गया। तीन दिन बाद उसे यह कहते हुए वापस घर लाया की 15 दिन बाद जॉइनिंग होगी। अब लंबा समय बीतने पर पैसा वापस मांगने पर आरोपी उसे पैसा देने से इनकार करते हुए धमकी दे रहे हैं। न्यायालय द्वारा मामले में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर अवगत कराए जाने के आदेश पर पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध जालसाजी, धोखाधड़ी, अमानत में ख्यानत व धमकी समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

रास्ते के विवाद में पिटाई पर रिपोर्ट दर्ज

पट्टी। आसपुर देवसरा इलाके के घरहिया निवासी रागिनी गौतम ने रास्ते के विवाद में पड़ोसी माले गौतम, अंकित, अनिल,अर्जुन गौतम व राजा गौतम के विरुद्ध रास्ते के विवाद में मारपीट कर घर के चार लोगों को घायल करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता ने तहरीर में बताया है कि रास्ते के विवाद को लेकर पड़ोसी शाम 4:00 बजे उसे गाली देने लग विरोध पर उस पर हमला बोल दिया। उसके बचाव को पहुंचे देवर अमित, पुनीत व विनीत गौतम को भी आरोपियों ने लाठी डंडे से हमला कर घायल कर दिया। आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों के विरुद्ध मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

ग्रापए के जिलाध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रंजन त्रिपाठी की अगुवाई में राज्यमंत्री को आठ सूत्रीय एक ज्ञापन भी संगठन के अन्य लोगों के साथ सौंपा। जिसमें पत्रकारों की सुरक्षा के साथ अन्य मुद्दों की मांग की गई थी। राज्यमंत्री ने जिलाध्यक्ष की बातों को सुना। उनकी बात शासन स्तर तक पहुंचाने की बात कही।

युवती का अपहरण, आरोपी के खिलाफ केस

लालगंज। युवती के अपहरण को लेकर सांगीपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के भगौरा निवासी मो. शरीफ सुत सैयद अहमद ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती सत्ताईस दिसम्बर की रात गांव के ही आरोपी ने उसकी अट्ठारह वर्षीया पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित ने तहरीर में कहा है कि आरोपी गांव के ही नितिन कनौजिया पुत्र राजेश के साथ घर से निकली उसकी बेटी जेवरात भी उठा ले गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी नितिन के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

लालगंज प्रीमियम लीग कप के रोमांचक मुकाबले में संगम-11 को मिली विजेता ट्राफी

प्रतापगढ़। रविवार को यहां एचएन बहुगुणा पीजी कालेज मैदान पर लालगंज प्रीमियम लीग कप के फाइनल में रोमांचक मुकाबले में संगम-11 ने विजेता खिताब हासिल करने में कामयाबी का परचम लहराया। वहीं नवीन-11 शीतलमऊ को उपविजेता की ट्राफी मिली। फाइनल मैच के कड़े मुकाबले में पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी नवीन-11 ने पन्द्रह ओवर में नौ विकेट पर एक सौ चैंतीस रन बनाया। लक्ष्य का सामना करने उतरी संगम-11 टीम ने आखिरी ओवर में एक गेंद शेष रहते छह विकेट खोकर एक सौ पैंतीस रन बना लिया। चार विकेट से संगम-11 ने विजेता ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। मैच को देखने के लिए मैदान पर दर्शकों का भारी जमावड़ा दिखा। चैके व छक्के की मदद से छप्पन रन बनाने वाले संगम-11 के आवेश द्विवेदी को मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने समारोह पूर्वक पुरस्कार सौंपे। संगम-11 के कैप्टन राजकुमार वर्मा को विजेता कप तथा नवीन-11 शीतलमऊ के कैप्टन नवीन सिंह को उपविजेता कप मिला तब दर्शकों की मैदान पर तालियां गूंज उठी। प्रतियोगिता के संरक्षक गणेश यादव तथा संयोजक नवीन सिंह ने मैच के सफल आयोजन के लिए आभार प्रदर्शन किया। वहीं आयोजन समिति के धीरू, अनूप तिवारी, शक्ति सिंह, डॉ. मानू, चंदन सिंह, अनिल सिंह, प्रफुल्ल पाण्डेय, सुधीर, डॉ. मुज्जू, राज सिंह, निखिल शुक्ला, जय कौशल ने प्रीमियम लीग के सफल आयोजन को लेकर सराहनीय भूमिका में दिखे। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश, सभासद जावेद खां, राजू सिंह, केशव मिश्र, ऋषि द्विवेदी, छोटे लाल सरोज, डॉ. वीरेश सिंह, के के सरोज, विष्णु सिंह, राजीव सिंह, आईपी मिश्रा आदि मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन समाज एक परिवर्तनकारी जागरण का शंखनाद है : राजेंद्र

हिन्दू सम्मेलन में कवियों ने हिंदुत्व का स्वाभिमान किया जाग्रत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हमारा प्रत्यक्ष आचरण ही समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सकता है,जिससे वास्तविक सामाजिक समरसता स्थापित होगी। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दहलीज पर खड़ा है,ऐसे में हमें केवल गर्व करने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि अपने सामर्थ्य को बढ़ाकर वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करना है। उक्त विचार सकल हिन्दू समाज समिति बेल्हा बस्ती द्वारा आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेन्द्र ने सामाजिक एकता और समरसता के भाव को लेकर रखा।उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विराट हिन्दू सम्मेलन, समाज में एक परिवर्तनकारी जागरण का शंखनाद है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि पूर्व में विदेशी आक्रमणों के कारण भारत की वैभवशाली सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हुई थी। जिसे गुरु गोविंद सिंह जैसे महापुरुषों और छत्रपति शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज के संकल्प ने पुनर्जीवित किया। आज वही दृश्य पुनः निर्मित हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक अमर एकेडमी कुंज बिहारी, मुख्य अतिथि पीठाधीश्वर हनुमत सिद्ध पीठ अयोध्या विनय प्रिय मधुकर,विशिष्ट अतिथि मातृ शक्ति सरोज सिंह व अति विशिष्ट अतिथि सरदार कुलदीप सिंह रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रवज्जलन कर किया गया। हिन्दू सम्मेलन के मौके पर आयोजित कवि सम्मेलन में पधारे नामचीन कवि-कवयित्रियों द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाला हिंदुत्व आधारित रचनायें पढ़कर लोगों को राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत कर दिया।इस मौके पर हनुमान चालीसा एवं भारत माता की आरती हुई। कार्यक्रम का संचालन अक्षिता ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विभाग संघचालक रमेश, विभाग कार्यवाह हरीश,जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार, विवेकानंद, शिवकुमार सोनी, सुधीर, शिवकुमार प्रजापति, रविन्द्र केसरवानी, शैलेन्द्र, श्याम, विजय, रश्मि सिंह, पूनम गुप्ता, सुमित केसरवनी, अनिल सिंह, ध्रुव शर्मा, शिवेश शुक्ला, परमानंद मिश्र, अंकुर श्रीवास्तव, कवियित्री सुप्रिया पांडेय, कवि अनूप उपाध्याय, लवलेश यदुवंशी, कवि शिव किशोर खंजन, कवि अभिजीत मिश्रा, कवियित्री दिव्या,बिपिन, प्रिया त्रिपाठी, तनु प्रिया सहित आदि उपस्थित रहे।

महिला शिक्षिकाओं के हित में सदैव तत्पर है महिला शिक्षक संघ : स्नेह कुमारी

नगर सहित जिले के 18 ब्लाकों में महिला शिक्षक संघ का हुआ है गठन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महिला शिक्षक संघ का गठन जनपद के नगर क्षेत्र सहित सभी 18 ब्लॉकों में कर दिया गया है। जल्द ही शहर के एक होटल में संगठन का वार्षिक अधिवेशन संपन्न कराया गया, जिसमें जिलेभर के ब्लॉकों की अध्यक्ष व महामंत्री के साथ ही जिला कार्यकारिणी की महिलाओं ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्यापन कर रही। उक्त जानकारी नगर के एक होटल में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष स्नेह कुमारी शुक्ला ने दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ महिला शिक्षिकाओं के हित में संघर्ष हेतु सदैव तत्पर है और आगे भी उनकी हितों की लड़ाई लड़ता रहेगा। महिला शिक्षक संघ को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ अपने विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को सुंदर और सुदृढ़ बनाने का संकल्प संगठन ने लिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला के खिलाफ कोई भी अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्नेह कुमारी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ही इस संगठन का गठन किया गया है। पत्रकार वार्ता के दौरान महामंत्री शमीर्ला,प्रतिभा, मंडल उपाध्यक्ष ऋतु खंडेलवाल, मालती सिंह सहित अन्य मौजूद रहीं।

सनातन धर्म व संस्कृति की रक्षा से ही विश्व का कल्याण : रमेश

कुंडा। सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा से ही समूचे विश्व का कल्याण संभव है। हिन्दू समाज को एकजुट होकर अपने धर्म, संस्कार और परंपराओं की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहना होगा। यह उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत संचालक रमेश ने बाघराय बाजार में रोर मंडल के तत्वावधान में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन में व्यक्त किए। कहा कि जब-जब हिन्दुओं पर संकट आया है, तब एकजुटता ने ही समाज को मजबूती दी है। उन्होंने जाति-पाति, छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों को त्यागकर सभी हिन्दुओं से एक मंच पर आने, साथ बैठकर भोजन करने और हिन्दुत्व की मुख्यधारा से जुड़ने का आह्वान किया। आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उन्होंने संघ की पवित्र गाथा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए हिन्दू एकता को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

सम्मेलन में बांग्लादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे कथित गंदे व अशोभनीय कृत्यों की कड़ी निंदा की गई। वक्ताओं ने इस विषय पर केन्द्र सरकार से ठोस हस्तक्षेप की मांग की। रमेश जी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह और गुरु तेजबहादुर सिंह के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हिन्दू समाज की एकजुटता से ही न केवल भारत, बल्कि विश्व के लोगों का कल्याण संभव है।

उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर भी लोगों को जागरूक किया। समाज में समरसता बढ़ाने के लिए सभी हिन्दू भाइयों को एक मंच पर लाकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शीतलाप्रसाद मिश्र ने की, जबकि संचालन दीपक मिश्र (एडवोकेट) ने किया। मुख्य अतिथि शेषनारायण मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि संत रामसुमेर जी ने भी अपने संबोधन में हिन्दू एकता और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संयोजन शासकीय अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, चंद्रवदन मिश्र ने किया। इस अवसर पर जटाशंकर त्रिपाठी, खंड कार्यवाह मुनीष, राजेश मिश्र, राजन, दिनेश मिश्र, चंद्रभान तिवारी, अनिल पांडेय, अनुराग पांडेय, प्रमोद तिवारी, श्रीकृष्ण मौर्य, शुकांत मिश्र, विश्वनाथ त्रिपाठी, रामराज शुक्ल, उमाशंकर त्रिपाठी, अशोक यादव, कमलेश यादव, श्यामा हरिजन, अमरनाथ सरोज, कन्हैया सरोज सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वटुक ब्रम्हचारी ब्राह्मणों को वस्त्र व भोजन पात्र किया दान

बेलखरनाथ धाम। वैदिक ऋषिकुलम संस्कृत विद्यालय बसिरहा में वटुक ब्रम्हचारी ब्राह्मणों को देवेन्द्र तिवारी व गोविंद तिवारी द्वारा वस्त्र व भोजन के लिए पात्र दिया। इस दौरान विद्यालय के छात्र ने खुशी जाहिर की है। रानीगंज तहसील क्षेत्र के बसिरहा में ऋषि कुलम गुरूकुल के वटुक छात्र को दानदाता देवेन्द्र तिवारी व गोविंद तिवारी ने वस्त्र व भोजन पात्र दिया।इस दौरान राजमणि त्रिपाठी ऋषि कुलम के आचार्य पंडित शुभम शुक्ल ने गुरुकुल के दिन चर्या पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अंजनी कुमार दूबे व हरिओम प्रकाश मिश्र सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस दौरान संस्था के प्रबन्धक राज कुमार तिवारी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भूमि पर खुदाई का विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के सदहा गांव में न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी होने के बावजूद भूमिधरी जमीन पर जेसीबी से मिट्टी की खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया गया है। सदहा गांव निवासी जयचंद्र यादव ने रविवार दोपहर पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी भूमिधरी जमीन का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है और उस पर स्थगन आदेश भी प्रभावी है। इसके बावजूद विपक्षी जबरन जेसीबी मशीन लगाकर खेत से मिट्टी निकाल रहे हैं। मना करने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। मामले में क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी ने बताया कि प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा तथ्यों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित किया गया भगवान परशुराम की प्रतिमा

प्रतापगढ़। जनपद के लक्ष्मणपुर विकास खंड अंतर्गत मिश्रपुर गांव के चौराहे पर भगवान श्री परशुराम की भव्य प्रतिमा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से स्थापित की गई। आयोजन समिति ने आचार्यजनों द्वारा विधिवत पूजन अर्चन कराते हुए राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पण्डित प्रदीप शुक्ला की उपस्थिति में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप तिवारी के हाथों प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराया गया। इस मौके पर मिश्रपुर चौराहा भगवान परशुराम के जयकारों से गूंज उठा। सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम जी ने हम सभी को धर्म न्याय और सत्य के मार्ग पर चलने के प्रेरणा दी,सनातन धर्म को मानने वाले लोगो के लिए बड़ा ही गौरव का क्षण है कि भगवान परशुराम जी की भव्य प्रतिमा की स्थापना क्षेत्र में हो गई है। उन्होंने कहा कि यहां पर सामाजिक सहयोग से जल्द ही भव्य दिव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। राष्ट्रीय परशुराम सेना के सदस्यों ने भगवान परशुराम की आरती उतारकर पूजन अर्चन किया,तदुपरांत सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक तिवारी, मंडल अध्यक्ष प्रयागराज संजय शुक्ल, जिलाध्यक्ष अनिल पांडेय, मीडिया प्रभारी मनीष दूबे, विनय मिश्र,अंतिम ओझा,महेश दूबे,रवि पांडेय,विपिन तिवारी,राम मूर्ति तिवारी,रविकांत तिवारी,आयुष तिवारी, कुसुम तिवारी, शकुंतला तिवारी,लकी मिश्र सहित आदि उपस्थिति रहे।

मंत्रोच्चारण के मध्य स्थापित हुयी भगवान परशुराम की मूर्ति, हुआ जयघोष

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर विकास खण्ड के मिश्रपुर गांव के चैराहे पर रविवार को भगवान परशुराम की भव्यमूर्ति वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य स्थापित हुयी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप तिवारी तथा राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने मंत्रोच्चारण के मध्य प्रतिमा स्थापित करायी। प्रतिमा स्थापना को लेकर मिश्रपुर चैराहा भगवान परशुराम के जयकारे से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने स्थापना महोत्सव में भगवान के मंदिर निर्माण का भी सामूहिक संकल्प लिया। स्थापना के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम की भव्य आरती उतारी। इस मौके पर अभिषेक तिवारी, समाजसेवी संजय शुक्ला, अनिल पाण्डेय, मनीष दुबे, विनय मिश्र, महेश दुबे, रवि पाण्डेय, विपिन तिवारी, राममूर्ति तिवाारी, रविकांत तिवारी, कुसुम तिवारी, लकी मिश्र, शकुन्तला तिवारी आदि रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने देश विदेश में राजनीति को दी अलग पहचान

पट्टी। विकासखंड पट्टी परिसर में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मयंकेश्वर सिंह रहे। अध्यक्षता पूर्व मंत्री मोती सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मयंकेश्वर शरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल का भारत देश की राजनीति में बहुत बड़ा योगदान रहा। विश्व पटल पर उन्होंने भारत देश को अलग पहचान दी। वह एक आदर्श राजनेता रहे हैं उनका सम्मान पक्ष विपक्ष में लोग किया करते थे। उन्होंने कई बार विपक्ष में रहते हुए विदेश जाकर भारत का प्रतिनिधित्व किया।यह उनकी अप्रतिम वाक पट्टुता का उदाहरण है।

अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी आज हम सब के बीच नहीं हैं। उन्होंने ऐसा वारिस देश को दिया जो विश्व का सबसे बड़ा राजनेता माना जाने लगा। 2047 तक विकसित और आधुनिक कि उनकी परिकल्पना को साकार करना है। ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरंगे को इतना ऊंचा किया कि आज पूरा विश्व उनका लोहा मानता है।उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ने की बात कही। कार्यक्रम के पूर्व ब्लाक परिसर में अमृत कलश का मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया गया। इसमें सभी ग्राम पंचायतों की मिट्टी डाली गई है। इसे ब्लाक परिसर के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया है। ब्लाक प्रमुख पट्टी राकेश कुमार सिंह पप्पू सिंह ने राज्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पूर्व मंत्री सहित अन्य ने इसका शुभारंभ किया। जबकि अटल स्मृति सम्मेलन का शुभारंभ स्वागत गीत के साथ किया गया। बाद में उन्होंने बटन दबाकर विकास कार्य के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण भी किया। प्रमुख राकेश कुमार सिंह ने बताया कि 157 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है। ब्लॉक प्रमुख पट्टी ने स्वागत भाषण करते हुए उपस्थित सभी के प्रति आभार जताया। संचालन अशोक कुमार श्रीवास्तव ने किया। राज्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री ने ब्लाक परिसर के रिटायर्ड हुए अधिकारियों कर्मचारियों को अंगवस्त्र भी भेंट किया। इस दौरान मीडिया प्रभारी विनोद पांडे,पूर्व प्रमुख देवेंद्रनाथ पांडे, सभासद राम चरित्र वर्मा,शिव कुमार चौरसिया,खंड विकास अधिकारी राजीव पाण्डे, रएसडीएम पूर्णेन्द्र मिश्रा, सीओ मनोज कुमार रघुवंशी, तहसीलदार पवन कुमार सिंह सहित ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष सहित उनकी पूरी टीम व अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

अपने बच्चे व परिवार को अच्छी शिक्षा अच्छे संस्कार व अच्छा व्यवहार करना सिखाएं : हर्षा रिछारिया

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। सनातन प्रचारक हर्षा रिछारिया रविवार को भरवारी कस्बे के लखन लाल रिसॉर्ट बैंकेट हाल में पहुंची जहां उपस्थित भीड़ ने उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया है भटकाव और नशे से जूझ रहे युवाओं को सनातन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़कर आत्मबल जाग्रत करने एवं महिला शसक्तीकरण के उद्देश्य से सनातनी हर्षा रिछारिया ने शक्ति सृजन एक आध्यात्मिक यात्रा अभियान को लेकर 28 दिसंबर को भरवारी के लखन लाल रिसॉर्ट एंड बैंकेट हाल में उपस्थित भीड़ को संबोधित करते हुए सनातन पर जोर दिया है उन्होंने कहा कि प्रयागराज का महाकुंभ आध्यात्मिक के दृष्टि से लोगों को भटकाव से दूर ले जाकर उन्हें धर्म के रास्ते पर लाया है युवाओं एवं महिलाओं का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा है कि अधिक से अधिक महिलाएं अपने बच्चों को अच्छा संस्कार दें उन्हें सनातनी बनाएं जिससे आगे चलकर परिवार के साथ बच्चे रहे उनका मकसद यह था कि वृद्ध आश्रम बंद होना चाहिए उसके लिए सभी भाई बहनों एवं सभी लोग लोगों को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि वृद्ध आश्रम बंद हो वृद्ध जनों का जीवन परिवार के बीच बीते यह बड़ी अच्छी बात होगी उन्होंने कहा की शादी होने के बाद पत्नी अपने पति से यह कहकर अलग हो जाती है कि वह सास ससुर को सेव नहीं करेगी वृद्ध आश्रम भिजवा देगी ऐसी स्थिति में वह कहां से सनातनी बनेगी उपस्थित भीड़ से उन्होंने आवाहन करते हुए कहा कि अपने बच्चे और परिवार को अच्छी शिक्षा दें अच्छा संस्कार दें और अच्छा व्यवहार करना सिखाए और सभी लोग भगवान का टीका माथे पर लगाए जिससे लोगों को यह जानकारी हो सके कि वह सनातनी है राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अरविन्द केसरवानी एवं नगर अध्यक्ष नीरज बनारसी सहित पूर्व चेयरमैन कैलाश केसरवानी राजू सक्सेना पत्रकार राम प्रकाश मिश्रा गौरव मोनू सेठ डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव राकेश अरोड़ा बब्बू अग्रवाल संतोष इंदल केसरवानी हिमांशु केसरवानी मनोज कुमार सभासद अविनाश केसरवानी आदर्श केसरवानी सहित तमाम लोगों ने हर्षा रिछारिया का जोरदार तरीके से स्वागत किया है इस मौके पर उपस्थित भीड़ को अधिवक्ता रामप्रकाश मिश्रा पूर्व अध्यक्ष कैलाश केसरवानी अरविंद केसरवानी नीरज बनारसी आशीष श्रीवास्तव ने भी संबोधित कर सनातन के बारे में लोगों को जानकारी देकर सनातन धर्म से जोड़ने का आवाहन किया है। उत्तराखंड से हर्षा रिछारिया आती है और आचार्य महामंडलेश्वर की वह शिष्या हैं महाकुंभ में वह निरंजनी अखाड़े से जुड़ी हुई थी इस अखाड़े से नागा साधु आते हैं अपने इंस्टाग्राम पेज पर हर्षा ने खुद को एंकर, मेकअप आर्टिस्ट, सोशल एक्टिविस्ट, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और ट्रैवल ब्लॉगर लोगों को इस बारे में बताया था।

कम्बल वितरण कार्यक्रम अहिरारा में पहुंची सनातनी प्रचारक हर्षा रिछारिया

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। सिराथू तहसील के अहिरारा गांव में सनातनी प्रचारक हर्षा रिछारिया रविवार को दोपहर पहुंची है जहाँ पर तपस्वी मानव कल्याण ऊर्जावान ट्रस्ट द्वारा इलाके के गरीब कमजोर असहाय लोगों के बीच कम्बल वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची सनातनी प्रचारक हर्षा रिछारिया का ट्रस्ट की अध्यक्ष पुष्पा व ट्रस्ट के प्रबंधक राम सियारान शास्त्री ने माला फूल पहनकर स्वागत किया जहां हर्षा रिछारिया ने कहा की बड़े सौभाग्य की बात है कि उन्हें आज लोगों की इस भीषण ठंड में कम्बल वितरण करने का मौका मिला है उन्होंने कहा कि गुरु जी प्रत्येक वर्ष कम्बल का वितरण करते हैं इस वर्ष यह सौभाग्य उन्हें मिला है यह बहुत अच्छा मौका रहा और सनातन को बढ़ावा देते हुए कहां इस तरह शक्ति सृजन एवं आध्यात्मिक यात्रा के साथ सनातन धर्म को बढ़ावा देने काम करेंगे यहां ठंड को देखते हुए ट्रस्ट की तरफ से गांव के महिला पुरुष लगभग 400 जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण किया गया इस कम्बल वितरण कार्यक्रम में पूर्व विधायक शीतल पटेल, राजीव मौर्या, पूर्व ग्राम प्रधान अंदावा नरेश सोनकर, मोहम्मद हनीफ सेठ,आदि लोग उपस्थित रहे।

डिलीवरी के दौरान जच्चा-बच्चा की हुई मौत

परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगा कर अस्पताल में किया हंगामा

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई मौत की जानकारी मिलते ही आधी रात को पुलिस पहुंची और दोनों के सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है खबर लिखे जाने तक अस्पताल संचालकों पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है जच्चा बच्चा की मौत होने के बाद अस्पताल संचालक और अस्पताल कमी ताला बंद करके अस्पताल में फरार हो गए हैं परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के सौरई खुर्द गांव निवासी प्रदीप कुमार की पत्नी मंगीता देवी को शनिवार को देर रात प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद परिजन उन्हें मंझनपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए और भर्ती कराया।देर रात मंगीता देवी की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने डॉक्टरों को सूचना दी। डॉक्टरों ने इलाज किया, जिसके बाद महिला ने एक नवजात को जन्म दिया। हालांकि, जन्म के तुरंत बाद नवजात की मौत हो गई। प्रसव पीड़ा अधिक होने के कारण कुछ देर बाद मंगीता देवी की भी मौत हो गई। महिला और नवजात की मौत से अस्पताल परिसर में मौजूद परिजनों में आक्रोश फैल गया। और परिवार के लोग हंगामा करने लगे मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस पहुंच गई और महिला वा बच्चा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मौका मिलते ही अस्पताल संचालक भी कमर्चारियों समेत अस्पताल से फरार हो गए हैं।

परीक्षा देने जा रही छात्रा आई ट्रक के नीचे बाल बाल बची, चौराहा में मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

> अझुवा हाइवे सड़क चौड़ीकरण, ओवर ब्रिज,बायपास न होने से क्षेत्रवासियों में आक्रोश
>
> बीते 2से 3 वर्षों में अझुवा कस्बे के हाइवे में 50 से ज्यादा दुर्घटना में मौतें और अनगिनत दुर्घटनाएं हुई हैं

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा भोला चौराहा पर साइकिल से परीक्षा देने जा रही छात्रा ट्रक के नीचे आ गई किस्मत अच्छी थी बाल बाल बंच गई। घटनाक्रम के मुताबिक वंदना पाल उम्र करीब 16 वर्ष पुत्री राजेंद्र पाल निवासी अथसराय आज रविवार सुबह 9.25 बजे धर्मा देवी इंटर कालेज परीक्षा देने जा रही थी जैसे ही भोला चौराहे के कट से दूसरे लेन में बालिका गई उसी समय कानपुर से प्रयागराज जाने वाले मार्ग पर ट्रक आ गया चौराहे पर मौजूद लोगों के शोरगुल से ट्रक ड्राइवर ने ब्रेक लिया लेकिन ट्रक की टक्कर से साइकिल चकनाचूर हो गई छात्रा बिल्कुल टायर के पास पहुंच गई लेकिन ट्रक ड्राइवर की सूझ बूझ से बाल बाल बंच गई ।तमाम लोगों का मजमा लग गया ,छात्रा को सही सलामत देख लोगों ने राहत की सांस ली ।इसी कट के पास 10.15 बजे सिराथू निवासी बाइक सवार विद्युत संविदा कर्मी नथन पुत्र मोतीलाल भी गंभीर दुर्घटना होने से बंच गया जब दूसरी लेन में जाने का प्रयास किया तभी सामने से आए ट्रक की टक्कर लगी जिसमें बाइक क्षतिग्रस्त हुई लेकिन सवार सुरक्षित रहा वहीं मौके पर रहे निवासियों ने बताया शासन द्वारा इस चौराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी लगी है लेकिन 9.30 बजे तक ट्रैफिक पुलिस नहीं दिखी मात्र एक पीआरडी जवान ठंड से बचाव हेतु आग सेकता रहा। बीते 2से 3 वर्षों में अझुवा कस्बे के हाइवे में 50 से ज्यादा दुर्घटना में मौतें और अनगिनत दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें लोग अपंग हुए,किसी का इकलौता चिराग बुझा,कोई अनाथ हुआ !इतनी मौतों दुर्घटना के बाद भी सरकार और प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेंग रही न सड़क चौड़ीकरण किया जा रहा है न तो ओवरब्रिज, फ्लाईओवर, बायपास बनाया जा रहा है! हा यह अवश्य होता है किसी की मौत होने पर जिम्मेदार आकर फोटोबाजी जरूर कर लेते हैं।

न्यूज झरोखा

पूर्व कैबिनेट मंत्री का तिल्हापुर मोड़ में हुआ भव्य स्वागत

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी। पूर्व कैबिनेट मंत्री शहर पश्चिमी के विधायक सिद्धार्थ सिंह का आगमन रविवार को तिल्हापुर मोड़ में हुआ पूर्व कैबिनेट मंत्री को अपने बीच पाकर क्षेत्र के लोग बड़े प्रसन्न हुए और स्थानीय लोगों ने और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ सिंह का भव्य स्वागत किया सिद्धार्थ सिंह जिंदाबाद के नारे से वातावरण गूंज उठा पूर्व कैबिनेट मंत्री के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी भावी एमएलसी प्रत्याशी शैलेश सिंह पटेल ने किया उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री को माला पहनकर स्वागत अभिनंदन किया और अपनी ओर से जनता का आभार प्रकट किया इस अवसर पर मदन कुमार केशरवानी सुभाष केसरवानी मदन कुमार केसरवानी, ओमप्रकाश प्रकाश सोनी,श्री श्याम राधेश्याम रामगोपाल सोनी सहित बड़े संख्या में व्यापारी व भाजपा कार्यकर्ता स्वागत समारोह में उपस्थित रहे इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने भाजपा सरकार द्वारा आम जनता के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियां बताया उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में चारों तरफ आम जनता खुशहाल है अपराध अत्याचार पर अंकुश लगा है और माफियाओं पर कठोर कार्रवाई हुई है।

बांग्लादेश में हुई हिन्दू की हत्या शांति सौहार्द, मानवता व इंसानियत की हत्या है : विपुल त्रिपाठी

बांग्लादेश में हो रहे हिंदू अल्प- संख्यको के उत्पीड़न पर सख़्त हो भारत सरकार, बंद करें सभी आयात

कौशाम्बी। इंडियन सवर्ण समाज पाटी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय सह प्रभारी तथा केसरिया जागृति मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा विपुल त्रिपाठी ने कहा कि बांग्लादेश में एक हिन्दू को पेड़ से बांध कर जिंदा जला देना और भारतीय राजनयिकों के दफ्तरों और घरों पर हमला करना तथा हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार जुल्म और अराजकता की पराकाष्ठा को रोकने के लिए,भारत सरकार बांग्लादेश से सभी प्रकार के आयात बंद करें और हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार बर्बरता उत्पीड़न तथा हत्या व हमला रोकने की कड़ी चेतवानी दें,ये एक हिन्दू की हत्या के साथ शांति सौहार्द और मानवता की हत्या है और ये हमला हिंदुओ के साथ साथ शांति सौहार्द और एकता की मिसाल और इंसानियत पर हमला है इस प्रकार से बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे उत्पीड़न को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

धूमधाम से मनाया गया भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस

कौशांबी। कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर मंझनपुर स्थित पाटी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व बड़े धूम धाम के साथ कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया गया! इस मौके पर गौरव पाण्डेय के कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर उसके ऐतिहासिक योगदान और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को स्मरण करना गर्व का विषय है। इसके बाद जिला संयोजक राजेश साहनी ने बताया कि 28 दिसंबर 1885 को स्थापित, यह एशिया और अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्य में उभरने वाला पहला आधुनिक राष्ट्रवादी आंदोलन था। 19वीं सदी के अंत से और विशेष रूप से 1920 के बाद, महात्मा गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख नेता बन गई। तत्पश्चात वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुलज़ारी लाल केशरवानी ने कहा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में बंबई में देश भर से 72 प्रतिनिधियों की बैठक के साथ हुई थी। जिला उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू ने कहा कि वतर्मान में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भूमिका के साथ संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता के मुद्दों को मज़बूती से उठाते हुए एक सशक्त लोकतांत्रिक विपक्ष की भूमिका निभा रही है ।इस कार्यक्रम में जिला संयोजक राजेश साहनी,जिला उपाध्यक्ष कौशलेश द्विवेदी,मोहम्मद अकरम,राम सूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेंद्र शुक्ला,,शशि मिश्रा, गुलज़ारी केशरवानी,सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत, नौशे आलम, सोनू ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,मोहम्मद शरिक,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय ,इंद्रपाल गौतम,दिलीप गौतम,राहुल यादव,आनन्द कुमार,मोहम्मद नेहाल,नोखे लाल , बड़का रैदास ,जाहिद ठीकेदार, लल्ली रैदास अनिल पासी,सहित दजर्नों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसपी के निर्देश पर समस्त थानों में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में दिनांक 28.12.2025 रविवार को जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने अत्यंत उत्साह के साथ श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात और आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस कार्यस्थल पर स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करना तथा कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर स्वच्छता का संदेश देना है ।इस अवसर पर समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा के भाव को आत्मसात करते हुए प्रतिदिन अपने आसपास सफाई बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण में कार्य करने का संकल्प लिया गया। साथ ही पुलिस द्वारा आम जनमानस को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, अतः सभी परिसर सदैव सुव्यवस्थित रखे जाएं यह स्वच्छता अभियान भविष्य में भी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि पुलिस कार्यालयों में एक आदर्श वातावरण बना रहे।

करारी थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में आई बाढ़, नहीं लिखी जाती रिपोर्ट

कौशांबी थाना करारी क्षेत्र के भैला मकदूमपुर गांव में चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गांव में रोजाना चोरों की आवाजाही से ग्रामीण दहशत में है बीते दो दिनों से रात में 6झ7 संदिग्ध लोग चोरी की फिराक में रोज घूमते देखे गए। ग्रामीणों का कहना है कि कभी भी बड़ी वारदात को अंजाम दिया जा सकता है आज रात भी चोरों को गांव में देखा गया। कल रात चुन्ना के घर से दशरथ के घर तक छतों पर चढ़कर आधा दर्जन चोर घूमते नजर आए। गांव में 7 दिनों के भीतर दो घरों में लाखों की चोरी हो चुकी है। इसके बावजूद न तो पुलिस की नियमित गश्त हो रही हैं। और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हुए है पीड़ितों का आरोप हैं। कि अब तक न तो मुकदमा दर्ज हुआ और न ही किसी चोरी का खुलासा किया गया है थाना पुलिस की निष्क्रियता से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। 2 दिन पहले गुवारा और सैयद अलीपुर में भी चोरी हो चुकी है थाना करारी क्षेत्र में 15 दिनों मे दजर्नों चोरी की घटनाएं हो चुकी है जिससे इलाके में भय व्याप्त है।

ठेकेदार की मनमानी से बिजली आपूर्ति अवरुद्ध होने से ग्रामीणों में आक्रोश

कौशांबी सिराथू तहसील के बालकमऊ विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत ग्राम सभा बम्हरौली में रविवार को सुबह 9 बजे तक विद्युत सप्लाई चालू थी उसके बाद से बिजली सप्लाई बम्हरौली में नहीं की गई है जिसमे निर्माणाधीन ओवरब्रिज में काम के चलते विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध कर दी गई। लेकिन देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल ना किए जाने के कारण ग्रामीणों के मोबाइल फोन खिलौना बन गए। लोगों के मोबाइल की बैट्री खत्म हो गई जिससे लोगों की जरूरी बात करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति बहाल न होने के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी हो रही है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल रहा है इस मामले मे एक्सीएन कौशाम्बी से बात चीत की गई तो उन्होंने कहा कि बिजली की तार जोड़कर सप्लाई जल्द चालू कर दिया जाएगा।

दीपमाला जन कल्याण सेवा संस्थान ने दिव्यांग बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी। दीपमाला जन कल्याण सेवा संस्थान पेरई तिल्हापुर मोड़ में संस्था द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए दिव्यांग बच्चों को गरम कपड़ा वितरण किया गया समाजसेवी शैलेश सिंह पटेल ने बच्चों को टोपी और मोजे बच्चों को बांटे गर्म कपड़े पा कर बच्चे बहुत खुश हुए इस अवसर पर समाजसेवी ने कहा ठंड के मौसम में बच्चों की देखभाल करना बहुत जरूरी कार्य है जिससे बच्चों को ठंड में राहत मिलेगी और उन्हें किसी प्रकार की बीमारी नहीं होगी उन्होंने कहा कि संस्था हमेशा दिव्यांग बच्चों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है।

02 वारण्टी अभियुक्तों को सैनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 262/2007 धारा 394 भादवि थाना सैनी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त नरेश पासी पुत्र ननका पासी निवासी गोविन्दपुर गोरियो थाना सैनी तथा एन0सी0आर0 संख्या 270/2008 धारा 323/504 भादवि थाना सैनी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त राजेन्द्र सोनकर पुत्र मोहन निवासी चकसौनी थाना सैनी को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया हैं।

गांजा के साथ 02 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी पुलिस अधीक्षकः राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम ने दिनांक 27/28 अक्टूबर की रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान ग्राम टटेरा मार्ग पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 2 किलो 430 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बरामद किया गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सौरभ सेन पुत्र राजेन्द्र कुमार सेन वीरप्रताप सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह निवासी ग्राम सोलैनी, थाना पश्चिम शरीरा हुई है बरामदगी के आधार पर दोनों अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 151/2025, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत थाना पश्चिम शरीरा में अभियोग पंजीकृत हुआ विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया है।

राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का मनाया गया जन्मदिन

करारी कौशांबी। राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का 47 वां जन्मदिनपाटी कार्यालय करारी में धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री भारत सरकार जयंत चौधरी का 47 वां जन्मदिन राष्ट्रीय लोक दल जिला कार्यालय करारी में प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी के नेतृत्व में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिज़वी ने कहा कि रालोद मुखिया जयंत चौधरी लाखों करोड़ों युवाओं किसानों अल्पसंख्यक दलित और कामगारों के नेता हैं जयंत चौधरी हमेशा किसानो की लड़ाई लड़ी है और आगे भी किसानों के हित के लिए काम करते रहेंगे। प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी और क्षेत्रीय महासचिव नजमुल हसन की मौजूदगी में जिला अध्यक्ष विनय पासी द्वारा जिला कमेटी का विस्तार करते हुए जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद फहीम, जिला उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र मौर्य, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद चमन, जिला महासचिव जीशान हैदर पर सभासद, जिला महासचिव मनोज कुमार गुप्ता, चायल विधानसभा प्रभारी सुमन पासवान, सिराथू विधानसभा प्रभारी, राजेंद्र कुमार राजेंद्र कुमार, वरिष्ठ नेता अशरफ आजाद, पूर्व प्रधान मोहम्मद अतर, अजगर मदनी कुरैशी पूर्व सभासद करारी, आदि लोग मौजूद रहे जयंत चौधरी जिंदाबाद राष्ट्रीय लोक दल जिंदाबाद चौधरी चरण सिंह अमर रहे चौधरी अजित सिंह अमर रहे का जोरदार नारा पाटी नेताओं ने लगाया और जयंत चौधरी के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत गुट के जिला अध्यक्ष बनाए गए चंद्रभूषण

कौशांबी। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत गुट की एक बैठक रविवार को डायट मैदान मंझनपुर में आयोजित हुई इस बैठक में सैकड़ो किसानों ने अपनी सहभागिता निभाई इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत गुट के प्रदेश प्रभारी प्रदेश महासचिव राम दत्त मिश्र और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह गौड़ ने किसानों से उनकी समस्याओं को सुना उसके समाधान का भरोसा दिया उपस्थित किसानों ने दोनों नेता प्रांतीय और राष्ट्रीय नेताओं का जोरदार तरीके से स्वागत किया है जिले के सरसवा विकास खंड क्षेत्र के सेग़रहा गांव निवासी जुझारू किसान नेता चंद्रभूषण को भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत गुट का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है जिस पर उपस्थित किसानों ने माला पहनकर उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया है उन्होंने कहा कि महात्मा टिकैत के आदर्श सिद्धांतों पर चलकर किसानों की हर समस्याओं का समाधान करेंगे उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी उसमें पीछे नहीं हटेंगे इस मौके पर उपस्थित किसानों से उनकी समस्याओं पर भी चर्चा हुई और किसानों के समस्याओं के समाधान की रणनीति बनाई गई है कार्यक्रम के अवसर पर पुष्पराज सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष वा योगेन्द्र कुमार युवा जिला अध्यक्ष, विनय त्रिपाठी जिला महा सचिव , नरेन्द्र सिंह तहसील अध्यक्ष मंझनपुर वा सुनील सिंह, रविकरण सिंह, अभय सिंह शिवराम, बच्चा लाल, उदयभान, अजीत,अमर सिंह, मोहन सिंह, फूल सिंह, राधेश्याम सिंह, विमल चन्द्र, बृजेश कुमार,धीरज सिंह, देव मुनि सिंह सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

सम्पादकीय

क्रिसमस पर उत्पात

दुनिया भर में क्रिसमस मनाने की खबरों के बीच भारत में ईसाईयों पर बढ़ते हमले चर्चा में आ गए हैं। खुद को हिंदू धर्म के रक्षक कहने वाले लोग जमकर अपने ही धर्म और संविधान दोनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। संविधान सभी धर्म के लोगों को बराबरी का हक देता है, लेकिन नरेन्द्र मोदी के बनाए नए भारत में ईसाइयों के लिए कोई जगह नहीं है, ऐसा हिंदुत्ववादी गुंडे कह रहे हैं। ओडिशा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ ऐसे तमाम भाजपा शासित राज्यों से ईसाइयों को प्रताड़ित करने, चर्च में तोड़-फोड़ करने या उन लोगों पर हमले की खबरें आई हैं, जिन्होंने ईसाई न होते हुए भी क्रिसमस की खुशियां मनाई हैं।

रायपुर के मैग्नेटो मॉल में क्रिसमस के लिए की गई सजावट को गुंडों ने तोड़-फोड़ कर नष्ट कर दिया। इसमें जो आर्थिक नुकसान हुआ वो तो अलग ही है, लेकिन उससे ज्यादा शहर की धार्मिक सद्भाव वाली छवि को क्षति पहुंची है। रायपुर में हमेशा से सभी धर्मों के लोग मिल जुल कर रहते आए हैं। होली और क्रिसमस, ईद या मोहर्रम सब परंपरागत तौर पर मनाए जाते रहे, लेकिन इस बार यहां की धार्मिक सद्भाव की चादर तार-तार होती दिखी है। राज्य में पहले भी 15 साल भाजपा की सरकार रही, मगर अभी जो नकारात्मक बदलाव दिखा है, क्या उसके पीछे केंद्र की मोदी सरकार का बढ़ावा है, यह विचारणीय है। इसी तरह ओडिशा भी अब फिर से धार्मिक भेदभाव को लेकर चर्चा में है। इसी ओडिशा में कुष्ठ रोगियों की सेवा करने वाले फादर ग्राहम स्टेंस को उनके दो मासूम बच्चों के साथ जिंदा जला दिया गया था। अब फिर से वैसी ही नफरत उभरती दिख रही है। सड़क किनारे सैंटा की टोपी बेचने वाले गरीब रेहड़ीवालों को गुंडे धर्म के नाम पर धमकाते दिखे। उत्तरप्रदेश के बरेली में चर्च में न केवल तोड़फोड़ की गई, बल्कि वहीं हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया, मानो इन गुंडों के लिए मंदिरों के दरवाजे बंद हो गए हैं। मध्यप्रदेश के जबलपुर में तो भाजपा की जिला उपाध्यक्ष अंजू भार्गव ने चर्च जाकर क्रिसमस के जश्न में दखल डाला और आरोप लगा कि नेत्रहीन छात्रों को ईसाई बनने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें अंजू भार्गव एक नेत्रहीन महिला से हाथापाई करती नजर आ रही हैं। हालांकि अब उस महिला ने भी कहा है कि क्रिसमस मनाने से धर्म नहीं बदल जाता, और वहां किसी ने कोई दबाव नहीं डाला। उन्होंने कहा कि वो क्रिसमस मनाती हैं, इसका मतलब ये नहीं कि उन्होंने अपना धर्म बदल लिया है।

ये सारी घटनाएं नरेन्द्र मोदी की जानकारी में ही हो रही हैं, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री होने के नाते उन तक तो सारी खबरें पहुंचती ही होंगी। पता नहीं फिर कैसे वो इन हमलों से आंख फेरकर खुद चर्च जाकर क्रिसमस मनाते हुए फोटो खिंचवाते हैं और बताते हैं कि ईसाई समुदाय से उनका नाता कितना पुराना है। अगर नरेन्द्र मोदी ये सोचते हैं कि ऐसा करने से दुनिया में उनकी छवि धार्मिक सद्भाव वाले नेता की बनेगी तो वे गलत हैं। क्योंकि उनकी चर्च की तस्वीरों के साथ वो वीडियो भी दुनिया भर में पहुंच गए हैं, जिनमें भारत में ईसाइयों को डराया-धमकाया जा रहा है। आंकड़े भी इसकी गवाही देते हैं कि मोदी शासनकाल में अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं।

कुपोषण दूर करने में सब्जियों की महत्वपूर्ण भूमिका

भारत डोगरा

सृजन संस्था की ओर से जहां ऐसी खेती के लिए तकनीकी सहायता, बीज व विभिन्न साज-सामान के रूप में सहायता दी जाती है, वहां मिट्टी व जल संरक्षण के कार्यों का योगदान भी कम नहीं है। जल-संरक्षण कार्यों जैसे तालाब से मिट्टी-गाद हटाने से बेहतर सिंचाई उपलब्ध होती है। तालाबों से निकली मिट्टी-गाद से खेत का उपजाऊपन बढ़ता है। कुछ किसानों को प्राकृतिक कृषि केन्द्र स्थापित करने की सहायता दी जाती है जहां गोबर, गोमूत्र आदि की खाद व हानिकारक कीटों से बचाव के उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

भारतीय परिस्थितियों में यदि पोषण सुधारने का कोई एक सबसे सक्षम उपाय चुनना हो तो वह है सब्जियों की निर्धन परिवारों व जनसाधारण को अधिक उपलब्धि। सभी सब्जियों में कम या अधिक पोषण गुण है और यदि विविध सब्जियां पर्याप्त मात्रा में नियमित तौर पर भोजन में शामिल रहें तो पोषण का संतुलन अपने आप बना रहता है। विभिन्न विटामिन व खनिज तत्त्वों की उपलब्धि के लिए सब्जियां सबसे बेहतर स्त्रोत हैं। फाईबर भी उनसे अच्छा उपलब्ध होता हे। सब्जियों से हमें वे एंटीआक्सीडेंट प्राप्त होते हैं जो बीमारी व संक्रमण से रक्षा करने में बहुत सहायक हैं। विभिन्न सब्जियां कुछ विशेष रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में या उनके उपचार में सहायक हैं। आंखों के स्वास्थ्य की ही बात करें तो गाजर व हरी पत्तीदार सब्जियां इसके लिए विशेष लाभदायक हैं।

इधर सब्जियों के स्वास्थ्य गुणों पर एक सवाल भी उठाया गया है कि अधिक कीटनाशक दवाओं व रासायनिक खाद के उपयोग से इनके स्वास्थ्य गुणों में कमी आती है व कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। अतः प्राकृतिक खेती से प्राप्त सब्जियों को ही स्वास्थ्य व पोषण की दृष्टि से सर्वोत्तम माना गया है।

इस संदर्भ में देखें तो सृजन संस्था द्वारा सब्जी का उत्पादन प्राकृतिक कृषि पद्धति से बढ़ाने के अभियान का स्वागत होना चाहिए, विशेषकर यह देखते हुए कि इसमें छोटे किसानों को और उनमें भी महिला किसानों को प्राथमिकता दी गई है। निर्धन आदिवासी व दलित किसानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस तरह न केवल पौष्टिक सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है, अपितु यह ऐसे किसानों के खेतों पर विशेष तौर पर बढ़ाया जा रहा है जिनके परिवार को बेहतर पोषण की अधिक जरूरत है।

इस संदर्भ में एक सवाल यह उठता है कि छोटे किसानों के पास तो कम भूमि है जिस पर उन्हें अपनी जरूरत का अनाज, दलहन आदि भी उगाना है तो फिर उनके पास अधिक सब्जी उगाने के लिए कृषि भूमि कैसे उपलब्ध होगी। इस समस्या को सुलझाने के लिए सृजन ने मल्टी लेयर या बहु-स्तरीय सब्जी की खेती का प्रसार किया है जिसमें विभिन्न स्तरों पर तरह-तरह की सब्जियां एक साथ उगाई जाती हैं, कुछ जमीन के नीचे, कुछ सब्जियां छोटे पौधों पर, कुछ बड़े पौधों पर तो कुछ ऊपर की ओर बेल के ऊपर रहती हैं। इसके लिए बांस, रस्सी व तार लगाकर बेलों को ऊपर तक बढ़ने का सहारा दिया जाता है जिनसे उनमें लगी सब्जी अधिक सुरक्षित भी रहती है। ऐसे बगीचों को प्रतिकूल मौसम व पशुओं से सुरक्षित भी किया जाता है।

ऐसे बगीचे के नियोजन में इस विषय की बड़ी समझ होती है कि किस पौधे को किस के साथ लगाना उचित है, मिट्टी के पोषण की दृष्टि से कैसा मिलन उचित है, कौन सा कोमल पौधा किसी बड़े पौधे की छाया में पनप सकता है आदि। इस तरह की समझ, निष्ठा और मेहनत के आधार पर बहुत से किसान बहुत कम भूमि में ही विविध तरह की सब्जियों का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियां अलग-अलग समय पर बिक्री के लिए भी उपलब्ध होती रहती हैं व इस तरह आय की निरंतरता भी बनी रहती है।

सृजन संस्था की ओर से जहां ऐसी खेती के लिए तकनीकी सहायता, बीज व विभिन्न साज-सामान के रूप में सहायता दी जाती है, वहां मिट्टी व जल संरक्षण के कार्यों का योगदान भी कम नहीं है। जल-संरक्षण कार्यों जैसे तालाब से मिट्टी-गाद हटाने से बेहतर सिंचाई उपलब्ध होती है। तालाबों से निकली मिट्टी-गाद से खेत का उपजाऊपन बढ़ता है। कुछ किसानों को प्राकृतिक कृषि केन्द्र स्थापित करने की सहायता दी जाती है जहां गोबर, गोमूत्र आदि की खाद व हानिकारक कीटों से बचाव के उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

इस तरह अगर सब्जियों की बगिया में प्राकृतिक पद्धति अपनाने से सहायता मिलती है वहां यह संभावना भी बढ़ जाती है कि जल-संरक्षण और प्राकृतिक खेती का यह मिलन किसानों को इतना पसंद आ जाए कि वह अपनी पूर्ण खेती के लिए भी इसे अपना लें।

चित्रकूट जिले के मऊ ब्लाक में कोल बस्तियों गुइयां खुर्द और गुईयां कलां में भी इसी मिलन से आदिवासी किसानों ने प्रगति की है। यहां के जल-संरक्षण कार्यों में लगभग 10 लाख रुपए का खर्च आया जिनमें से 70 प्रतिशत तक तो इन आदिवासी परिवारों में मजदूरी के रूप में वितरित हो गए।

इस कार्य की सफलता के लिए इन परिवारों की नजदीकी भागेदारी प्राप्त की गई व उन्हें गांव विकास समितियों के रूप में संगठित किया गया। इसके साथ प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। इस तकनीक से खर्च बहुत कम होने की संभावना ने भी इन छोटे किसानों को आकर्षित किया।

श्याम पहले मजदूर के रूप में इधर-उधर भटक रहा था, पर अब यह नए अवसर उपलब्ध होने पर उसने अपनी खेती सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। उसकी पत्नी सविता सब्जी की खेती में नेतृत्व देने वाली महिला के रूप में सामने आई। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सृजन ने एक सोलर पंप की सुविधा भी उपलब्ध करवाई।

इसी प्रखंड में लपांव गांव में भी इस प्रयास ने अच्छी प्रगति की। किरण ने अपना छोटा पर अति उत्पादक बगीचा गर्व से दिखाया। यहां बंदरों से रक्षा के लिए सृजन ने एक हरा नेट भी उपलब्ध करवाया है। परिवार के सभी सदस्य मिल कर यहां बहुत मेहनत व निष्ठा से सब्जियां उगाते हैं। किरण ने बताया कि प्राकृतिक पद्धति से उत्पादित सब्जी की गुणवत्ता इतनी अच्छी मानी जा रही है कि व्यापारी बगीचे तक पहुंचकर सब्जी खरीद कर ले जाते हैं। किरण के ससुर ब्रज बिहारी ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले तक उनकी आंख इतनी कमजोर हो गई थी कि आप्रेशन करवाने की बात चल रही थी, पर अपने बगीचे में उत्पन्न सब्जी व विशेषकर चौलाई खाने से आंखों में बहुत तेजी से सुधार हो गया। इस परिवार ने घर के पास एक किचन गार्डन व फलों को छोटा बगीचा भी तैयार किया है। इसी गांव में आशा ने घर के पास छोटा सा खाली स्थान देखकर वहां सुंदर किचन गार्डन तैयार कर लिया है। इससे परिवार का पोषण बहुत सुधर गया है व साथ में पड़ौसियों, आने वाले मेहमानों को भी आशा कुछ सब्जी का उपहार देती रही हैं। यहां एक गोलाकार ढंग की ऐसी सिंचाई व्यवस्था बनाई गई है कि सभी पौधों तक पानी पहुंच जाता है।

पुष्पा एक दलित महिला है जिसने अभी किचन गार्डन लगाना शुरू ही किया था पर वह इस प्रयास से बहुत उत्साहित थी। इस तरह कार्यक्रम के आरंभ होने के एक वर्ष के भीतर ही कई परिवार इससे जुड़ गए थे। इसके अतिरिक्त सृजन ने अन्य सहयोगी संस्थाओं जैसे समाज सेवा संस्थान, अंत्योदय व युवा कौशल विकास मंडल के सहयोग से सब्जी की वाटिकाओं का प्रसार अनेक अन्य गांवों में भी किया है। हमीरपुर जिले (उत्तर प्रदेश) व कुछ अन्य स्थानों पर इन किसान परिवारों ने बताया कि उनके पोषण में भी सुधार हुआ है व वर्ष में विभिन्न समय पर इस प्रयास से कुछ नकद आय भी प्राप्त होती रहती है। मानिकपुर प्रखंड (जिला चित्रकूट) में सब्जी उगाने वाले समुदाय के किसानों ने कहा कि चाहे परंपरागत तौर पर उनका अपना सब्जी उगाने का बहुत अनुभव रहा है, फिर भी प्राकृतिक पद्धति व बहुस्तरीय सब्जी उत्पादन के इस मॉडल में उन्हें भी बहुत कुछ सीखने को मिला है।

लोकनायक, राष्ट्र-द्रष्टा और भारतीयता के शिखरपुरुष

-ललित गर्ग-

भारत के आधुनिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि अपने विचार, चरित्र और आचरण से राष्ट्र की चेतना को आकार देते हैं। भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही लोकनायक थे, जो राजनीति में रहते हुए भी राजनीति से बड़े दिखाई देते थे। उनकी 101वीं जन्म-जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का क्षण है कि हम किस भारत का स्वप्न देखते हैं और उसे साकार करने में हमारी भूमिका क्या है? अटलजी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। अटलजी भारतीय राजनीति के दुर्लभ शिखर पुरुष थे, जिनमें विचार की दृढ़ता, व्यवहार की शालीनता और निर्णय की निर्भीकता एक साथ समाहित थी। वे सत्ता के शिखर पर भी विनम्र थे और विपक्ष की पंक्ति में भी गरिमामय। यही कारण है कि उन्हें केवल एक दल का नेता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का नेता माना गया। वे ह्यअजातशत्रुह्ल इसलिए नहीं कहे गए कि उनके विरोधी नहीं थे, बल्कि इसलिए कि विरोध के बीच भी वे सम्मान और संवाद का सेतु बनाए रखते थे।

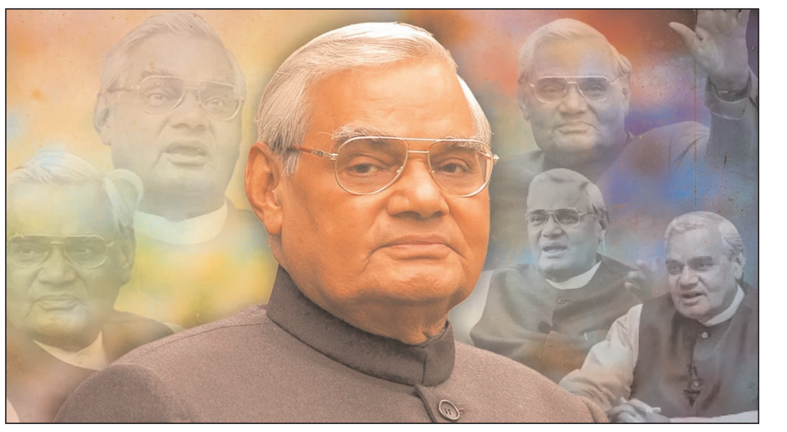

अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति को केवल सत्ता-प्राप्ति का साधन नहीं माना, बल्कि उसे राष्ट्र-निर्माण की साधना बनाया। जब राजनीति अवसरवाद, कटुता और अविश्वास की गिरफ्त में थी, तब अटलजी ने उसे मूल्यों, मयार्दा और संवैधानिक आस्था से जोड़े रखा। वे सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध थे, जितने विपक्ष में रहते हुए। अटलजी ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रहना उनकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रमाण है जो देश ने उनके चरित्र और दृष्टि पर किया। 1996 में अल्पमत की सरकार से लेकर 1999 में स्थिर गठबंधन सरकार तक की उनकी यात्रा यह दशार्ती है कि लोकतंत्र में संख्या से अधिक नैतिकता और नेतृत्व की विश्वसनीयता का महत्व होता है। संसद में उनका वह ऐतिहासिक वक्तव्य-ह्लसरकारें आएँगी-जाएँगी, लेकिन देश और लोकतंत्र रहना चाहिएह्व आज भी भारतीय राजनीति के लिए पाथेय है। अटलजी का सबसे निर्णायक योगदान भारत को रणनीतिक आत्मविश्वास दिलाने में रहा। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण केवल वैज्ञानिक या सैन्य उपलब्धि नहीं थे, वे भारत के आत्मसम्मान की उद्घोषणा थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इन परीक्षणों के बाद जब वैश्विक दबाव और प्रतिबंधों का दौर आया, तब अटलजी का नेतृत्व और भी निखरकर सामने आया। उन्होंने न तो आक्रामकता दिखाई, न ही आत्मसमर्पण बल्कि धैर्य, संवाद और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए देश को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से सुदृढ़ किया। यही संतुलन उनके राजनेता होने की सबसे बड़ी पहचान है। अटल बिहारी वाजपेयी को केवल कठोर निर्णयों का नेता मानना अधूरा मूल्यांकन होगा। वे उतने ही बड़े शांति-दूत भी थे। पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए लाहौर बस यात्रा उनकी दूरदृष्टि का प्रतीक थी, जहाँ साहस, संवेदना और संवाद एक साथ चलते हैं।

जी राम जी या रोजगार गारंटी को जै राम जी

अरविन्द मोहन

दुनिया भर की आर्थिक नीतियों और विकास पर नजर रखने वालों की यह चिंता मनरेगा के शुरूआती परिणामों और क्रांतिकारी स्वरूप को लेकर है। यूपीए सरकार द्वारा शुरू इस योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले काफी कुछ कह चुके हैं लेकिन इसके लाभ को देखकर उन्होंने भी सत्ता में आने पर इसे हटाने की हिम्मत नहीं की। और जब करोना के लक्षण दिखते ही एक बार में राष्ट्रव्यापी लाकड़ाउन का जैसा गलत फैसला हो गया तब मनरेगा ने जिस तरह समाज के सबसे कमजोर समूह की मदद की उसे देखकर वे भी प्रभावित हुए और मनरेगा का बजट बढ़ा ही।

मात्र दो दिन के हंगामे या चर्चा के बाद जो बिल पास हो चुका है और जिस पर राष्ट्रपति के भी दस्तखत हो चुके हैं उसको लेकर अभी भी विपक्ष और 'षडयंत्रकारियों' को कोसना भी इस बात का प्रमाण हो सकता है कि सरकार ने मनरेगा के स्वरूप में जो बदलाव किए हैं उनके पीछे प्रशासनिक और वित्तीय मसलों के साथ राजनैतिक मसले भी जुड़े हुए हैं। और अगर यह बिल पेश करने वाले मंत्री शिवराज सिंह चौहान अभी भी इस पर राजनैतिक बयान दे रहे हैं तो यह भाजपा द्वारा अपनी चलाने और उसका राजनैतिक लाभ लेने का ही प्रमाण है। यह सही है कि संख्या-बल में हारा विपक्ष तो इस योजना से गांधी का नाम हटाने को मुख्य मुद्दा बना रहा है लेकिन दुनिया भर के प्रमुख अर्थशास्त्रियों समेत देश के बौद्धिक जमात में भी इसे लेकर बेचैनी जाहिर हो रही है, मनरेगा लाने के पीछे मुख्य शक्ति रहीं सोनिया गांधी और लगभग पूरा विपक्ष इसके खिलाफ ताल ठोंक रहा है तो एनडीए के घटक दलों से ही नहीं भाजपा के अंदर से भी कुछ असहमति के स्वर सुनाई दे रहे हैं। जोजेफ स्टिगलिट, थामस पिकेटी, जेम्स गालब्रेथ, इजाबेले फेरारेस, डेरिक हैमिल्टन, मारिआना मझाकूटो, इमरान वेलोडिया, रैंडल व्रे और पवलिना चेरनेवा जैसे ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्रियों ने साझा बयान जारी करके मनरेगा के स्वरूप में हुए बदलावों पर आपत्ति जताई है।

दुनिया भर की आर्थिक नीतियों और विकास पर नजर रखने वालों की यह चिंता मनरेगा के शुरूआती परिणामों और क्रांतिकारी स्वरूप को लेकर है। यूपीए सरकार द्वारा शुरू इस योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले काफी कुछ कह चुके हैं लेकिन इसके लाभ को देखकर उन्होंने भी सत्ता में आने पर इसे हटाने की हिम्मत नहीं की। और जब करोना के लक्षण दिखते ही एक बार में राष्ट्रव्यापी लाकड़ाउन का जैसा गलत फैसला हो गया तब मनरेगा ने जिस तरह समाज के सबसे कमजोर समूह की मदद की उसे देखकर वे भी प्रभावित हुए और मनरेगा का बजट बढ़ा ही। इधर फिर से मनरेगा उपेक्षित होने लगा था और उसकी गलतियों और कमियों पर तो ध्यान नहीं ही दिया जा रहा था, उसमें घोटाले बढ़े थे और किसी मामले में दोषियों को सजा देने का काम नहीं हुआ। मजदूरी देने में भी बहुत देरी होने से उसका असली मकसद ही खत्म हो रहा था। लंबे अनुभव से कुछ बदलावों की जरूरत मानी जा रही थी। नए कानून में रोजगार के दिनों की संख्या सौ से बढ़ाकर सवा सौ और खेती के समय दो महीने मनरेगा के काम बंद रखने जैसे दो बदलावों को आप इस श्रेणी में रखना चाहें तो रख सकते हैं लेकिन जैसा कानून बना है उसमें तो पूरी योजना ही हाशिये पर आ जाएगी, फिर ये सुधार किस काम के होंगे।

बीस साल पहले जब महाराष्ट्र के छोटे अनुभव को आधार बनाकर देश भर के लिए रोजगार गारंटी का कानून बना तो दुनिया का ध्यान उसकी तरफ लगा हालांकि तब भारत विश्व गुरु होने का दावा नहीं करता था। लंबी सार्वजनिक और संसदीय चर्चा के बाद यह कानून बना था। संसदीय समिति तो भाजपा के नेता कल्याण सिंह की अगुवाई वाली थी और इसमें भी सर्वसम्मति बनी थी। तब भी इसके खर्च और लाभ को लेकर इसका विरोध करने वाले थे लेकिन मुख्यतः यूपीए की अध्यक्ष सोनिया गांधी के अड़े रहने से यह कानून बना। इसके बाद ही शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार और सूचना का अधिकार जैसे अधिकार आधारित कानून बने।

जब पाँच करोड़ सबसे गरीब परिवारों को 200 करोड़ कार्यदिवस का रोजगार दिया गया तो दुनिया भर में इसकी धूम मची क्योंकि इस पैमाने पर गरीबों को सीधी मदद और गाँव तथा पिछड़े इलाके में उपयोगी सामाजिक परिसंपत्तियों के निर्माण की ऐसी कोई योजना तब तक विश्व में कहीं भी नहीं चल रही थी। रोजगार की गारंटी का पक्ष तो विलक्षण था ही, इसमें आधे से ज्यादा कामगार महिलाएं थी, दलितों और आदिवासियों का अनुपात चालीस फीसदी था। कुंआ, तालाब, सड़क, फलदार पेड़, छोटे बांध जैसी परिसंपतियों का निर्माण और जीर्णोद्धार गांवों की सहमति से हुआ तो उसका लाभ उनको लगातार हुआ। प्रशासनिक खर्च पांच फीसदी से भी कम था। रोजगार और परिसंपत्तियों के निर्माण के साथ तीसरा और सबसे बड़ा लाभ यह हुआ की ग्रामीण क्षेत्र में औसत दिहाड़ी मजदूरी बढ़ गई। सैकड़ों अध्ययनों से इनके लाभ ही जाहिर हुए। कुछ कमजोरियां भी दिखीं और कुछ नए सुझाव भी आये जिनहे लागू करना मुश्किल न था। खर्च भी हर अनुमान से नीचे रहा -जीडीपी के एक फीसदी से कम।

भदोही में अपनी मांगो को लेकर अनशन पर बैठा शख्श

औराई एसडीएम और सीओ ने जल पिलाकर तोड़वाया अनशन

अखंड भारत संदेश

भदोही। औराई क्षेत्र के जयरामपुर में जमीन के विवाद को लेकर शनिवार को अनशन पर बैठे शख्श को एसडीएम और सीओ ने जल पिलाकर अनशन तोड़वाया और मामले के समाधान के लिए अगली 11 जनवरी को तिथि निश्चित की। इस मामले को लेकर पुरे क्षेत्र में चर्चा होती रही। मालूम हो कि गोपीगंज निवासी सौरभ सिंह ने औराई तहसील के जयरामपुर में स्थित गाटा संख्या 77 रकबा 76 विश्वा पर मिट्टी का कार्य और सड़क इत्यादि का निर्माण करवाया था लेकिन बाद में पता चला कि उस जमीन का विवाद न्यायालय में चल रहा है, जिससे सौरभ सिंह ने जमीन को लेने से इनकार करते हुए जो जमीन को सही करने के लिए खर्च और नकद दी धनराशि की मांग कर रहे है, लेकिन विपक्षी उनकी बात नहीं मान रहा था और रोज नया बहाना कर रहा था, जिसको लेकर सौरभ सिंह ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के यहां पत्रक देकर न्याय की गुहार लगाया और कोई बात न बनने पर शनिवार को जयरामपुर में उसी जमीन पर आमरण अनशन शुरू किया। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन के हाथ पाँव फूल गए और मौके पर औराई एसडीएम डॉ श्याममणि त्रिपाठी और सीओ राजीव सिंह पहुंचे और करीब एक घंटे तक सौरभ सिंह को समझाया और आगामी 11 जनवरी को सौरभ सिंह द्वारा जमीन को सही कराने में खर्च किये गए ।

ज्ञानी ज्ञान बल से भगवत तत्व को प्राप्त करके मुक्त हो जाता है

अखंड भारत संदेश

जंगीगंज। डीघ ब्लॉक के केवलपुर में आयोजित श्रीमदभागवत कथा के संगीतमय प्रवचन में पहले दिन कथा वाचक डॉ रामानंद त्रिपाठी ने प्रवचन में श्रीमद भागवत कथा के महात्म्य के बारे में विस्तार से बताया। डॉ रामानंद त्रिपाठी ने कहा कि बिना भगवान की कृपा मोक्ष संभव नहीं है। ज्ञानी तो अपने ज्ञान बल के प्रभाव से भगवत तत्व को प्राप्त करके मुक्त हो जाता है, लेकिन सामान्य लोगों को देव, ऋषि और पितृ ऋण से मुक्त होना चाहिए। बताया कि सन्यासी को नीरस और गृहस्थ को सरस भोजन करना चाहिए। महाराज ने आत्मा को आत्मदेव और बुद्धि को धुंधूलि बताते हुए कहा कि आत्मा को परमात्मा से मिलाने के लिए बुद्धि को सद्बुद्धि बनाना पड़ता है। प्रवचन में गोकर्ण और धुंधकारी की कथा को विस्तार से बताया। शरीर को तुंगभद्र नदी बताते हुए कहा कि जो बिना कारण झगड़ा करें वहीं धुंधकारी है, इसलिए मन के हिसाब से नहीं बल्कि बुद्धि के हिसाब से कार्य करें। मन ही मुक्ति और बंधन का कारण है। नरक का वास बेहतर है लेकिन दुष्टो की संगति जीवन के लिए सबसे दुखदायी है।

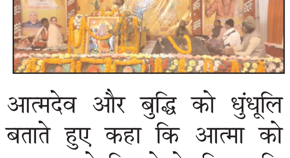

बांदा में विकास बनाम आस्था की टक्कर 60 साल पुराने पीपल और मंदिर पर असमंजस की स्थिति

महंत गीता देवी ने डीएम से सीएम योगी तक लगाई न्याय की गुहार

अखंड भारत संदेश

बांदा। बांदा जनपद में विकास और सुंदरीकरण के नाम पर एक बार फिर आस्था और प्रशासन आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। जनपद के कालू कुआं चौराहा, बबेरु रोड स्थित लगभग 60 वर्ष पुराने पीपल के वृक्ष और उसके नीचे स्थापित मंदिर से जुड़ा है, जिसे हटाने को लेकर प्रशासनिक तंत्र के भीतर ही गंभीर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस प्रकरण में हैरान करने वाली बात यह है कि एक ही विषय पर प्रशासन के अलगझ्अलग विभागों की परस्पर विरोधी राय सामने आ रही है। मंदिर की देखरेख करने वाली महंत गीता देवी ने बताया कि वन विभाग द्वारा पीपल के वृक्ष को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया है। इसी भरोसे के आधार पर वे तीर्थयात्रा पर रवाना हो रही हैं। महंत गीता देवी का स्पष्ट कहना है कि पीपल का वृक्ष सड़क से पर्याप्त दूरी पर स्थित है और न तो यातायात में बाधा है, न ही किसी विकास कार्य में। उन्होंने कहा कि यह वृक्ष और मंदिर दशकों से क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र रहा है। इस संबंध में जब वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी डीडेफओ से बातचीत की गई, तो उन्होंने भी साफ शब्दों में कहा कि पीपल का वृक्ष सुरक्षित है और उसे हटाने की कोई आवश्यकता नहीं है। वन विभाग की यह राय आस्था से जुड़े लोगों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। लेकिन दूसरी ओर राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग विकास और सुंदरीकरण का हवाला देते हुए पीपल के वृक्ष और मंदिर को हटाने का दबाव बना रहे हैं। इससे न केवल प्रशासनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है, बल्कि आम जनता के मन में भी असंतोष बढ़ता जा रहा है। इस पूरे मामले में अब विश्व हिंदू परिषद भी खुलकर सामने आ गई है। संगठन के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य चंद्र मोहन बेदी ने कहा कि यह मंदिर और पीपल का वृक्ष पिछले 60 वर्षों से क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र है, जहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना होती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अधिकारी आपस में विरोधाभासी बयान देकर जनता को भ्रमित न करें। विश्व हिंदू परिषद ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि प्रशासन ने स्थानीय जनता, साधुझसंतों और धार्मिक संगठनों से संवाद किए बिना कोई एकतरफा कार्रवाई की, तो संगठन जनता के साथ मिलकर वृक्ष और मंदिर की रक्षा के लिए आंदोलन करने को बाध्य होगा। फिलहाल यह बांदा में ह्वविकास बनाम विश्वासह्व की एक बड़ी बहस बन चुका है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या विकास के नाम पर वर्षों पुरानी आस्था को कुचला जाएगा, या फिर संवाद और समन्वय से ऐसा समाधान निकलेगा, जिसमें विकास भी हो और आस्था भी सुरक्षित रहे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर भाजपा नेता ने बताई क्षेत्रीय समस्याएं

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के सतना आगमन पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य चंद्र कमल त्रिपाठी ने उनसे मुलाकात कर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं, विकास से जुड़े मुद्दों तथा जनहित से संबंधित विषयों को विस्तार से रखा। साथ ही क्षेत्रीय जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं से अवगत कराया। मुलाकात के दौरान नगरीय विकास, बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री व नगरीय विकास मंत्री ने प्रस्तुत विषयों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस संवाद को क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

पायनियर क्लब ने ठंड से बचाव के लिए गरीबों को बांटे कंबल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के बेराउर ग्राम पंचायत में सोमवार को पायनियर क्लब द्वारा ठंड से बचाव के दृष्टिगत 200 बेसहारा, निराश्रित, विकलांग तथा गरीब लोगों को कम्बल वितरण किया गया। इस दौरान सभी को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। बेराउर स्थित स्व. सूर्यभान सिंह फिलिंग में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, मुफ्त राशन वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि की जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार नारी सशक्तिकरण, नारी स्वालंबन, सुकन्या योजना, खेल, शिक्षा आदि क्षेत्रों में नारियों की दशा और दिशा दोनों में सुधार के लिए कटिबद्ध है। पायनियर क्लब के अध्यक्ष केशव प्रसाद शिवहरे ने बताया कि संस्था द्वारा लगभग 27 वर्षों से गांव-गांव जाकर गरीब तबके के लोगों की जरूरत के दृष्टिगत जनहित के कार्य किए जा रहे है। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों समाजसेवियों द्वारा 200 गरीब जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, राजापुर नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश खरे, तहसीलदार भारत प्रताप सिंह, समाजसेवी विवेक अग्रवाल, पूर्व सांसद प्रतिनिधि शक्ति सिंह तोमर, मण्डल अध्यक्ष शंकर दयाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष राहुल सिंह, मंडल महामंत्री रजनीश पाण्डेय, स्वयं प्रकाश मिश्र, सेक्टर संयोजक आशीष मिश्र, समाजसेवी विपिन सिंह, रामकिशोर पाण्डेय, रमाशंकर निषाद आदि मौजूद रहे।

गुल्फ पादतल पादपृष्ठ शक्ति विकासक क्रिया से मजबूत होते है पैरों के पंजे : योगाचार्य

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट ब्यूरो। जिला मुख्यालय के कुबेर गंज योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने बताया कि संपूर्ण शरीर का आधार पैर के पंजे शरीर का पूरा भार सहन करते हैं। जिससे पैर के टखनों (गुल्फ), तलुओं (पाद तल), पैर के ऊपरी भाग (पाद पृष्ठ) और मांसपेशियां, पैर की उंगलियों व जोड़ों में दर्द की समस्या होती है। गुल्फ पादतल पादपृष्ठ शक्ति विकासक योग क्रिया के अभ्यास से इस समस्या से राहत मिलती है। साथ ही पैर मजबूत, सुंदर, सुडौल, पुष्ट और लचीले बनते हैं।

अभ्यास कराते हुए बताया कि यह योग क्रिया मोच को दूर करने के लिए भी बहुत उपयोगी है। इसके नियमित अभ्यास से अधिक चलने या दौड़ने से आई थकावट दूर होती है। यह योग क्रिया विशेष कर खिलाड़ियों और अधिक दौड़ने वालों के लिए फायदेमंद और उपयोगी है। बताया कि इसे करने के लिए साम्यावस्था में सीधे खड़े होकर चार भागों में करते हैं। प्रथम भाग में बाएं पैर को घुटने से सीधा रखते हुए सामने की ओर जमीन से 9 इंच ऊपर उठकर पंजे से क्लाकवाइज जीरो के आकार में 5 बार घूमाते हैं, और एंटीक्लाकवाइज जीरो को मिटाते हैं। दूसरे भाग में बाएं पैर को पीछे की ओर घुटने से सीधा रखते हुए 9 इंच उठाकर पांच बार प्रथम भाग की तरह जीरो बनाते हैं और मिटाते हैं। पैर वापस दाएं पैर के बगल में जमीन पर रखते हैं। तीसरे भाग में दाएं पैर से आगे की ओर प्रथम भाग की तरह पांच बार क्रिया करते हैं। और चैथे भाग में पीछे की ओर भाग दो की तरह पांच बार क्रिया करते हैं और पैर वापस बाएं पैर के बगल में रखते हैं। इसके बाद शिथिल ताड़ासन में आंखे बंद करके पैर के पंजों में हुए परिवर्तन को अनुभव करते हैं। सावधानी के तौर पर पैरों में चोट मोच की दशा में विशेषज्ञ की देखरेख में इसे करें।

चोरी का आरोपी सामान समेत गिरफ्तार

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव में कारखाना की दुकान में चोरी करने वाले एक आरोपी को पहाड़ी पुलिस ने चोरी की एक कटर मशीन, एक हैमर व मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है।

पहाड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि राजापुर के नांदिन कुर्मियान निवासी अरविन्द कुमार पुत्र बल्लू प्रसाद ने थाने में सूचना दी कि गोसाईपुर स्थित उसकी कारखाना की दुकान से तीन बिल्डिंग मशीन, एक बड़ी कटर मशीन, दो ग्लैन्डर, एक हैमरड्रिल, एक ड्रिलमशीन, चार ई-रिक्शा कि बैटरी, एक चार्जर व 24,500 रुपये सहित एक मोबाईल चोरी हो गया है। वादी ने शीलू पाण्डेय नामक व्यक्ति पर चोरी की आशंका जाहिर की। जिस पर सम्बन्धित धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। साथ ही घटना का अनावरण करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के किए पुलिस टीम को लगाया गया। जिसके क्रम में बीते शनिवार को थाना पहाड़ी के उपनिरीक्षक सुरेश प्रताप सिंह, श्याम देव सिंह, आरक्षी दीपक सिंह व मृत्युंजय पाण्डेय द्वारा जनपद प्रयागराज के एयरपोर्ट थाने के लखनपुर निवासी नूर आलम को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सुनैफ, अशरफ, ओसामा निवासीगण उमरी थाना एअरपोर्ट प्रयागराज के साथ गोसाईपुर स्थित दुकान से एक मोबाइल, चार बैटरी, एक कटर मशीन, ग्लाइंडर, हैमर, ड्रिल मशीन की चोरी की थी। पकड़े जाने के डर से बड़ी कटर मशीन, हैमर ड्रिल गांव के बाहर एक पेड़ के नीचे छुपाकर रख दिया गया था। जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बरामद भी किया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के 100 साल पूरे होने पर गरीबों को वितरित किए कंबल

चित्रकूट। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं व समाजसेवियों ने का. मैयादीन यादव की पुण्य स्मृति पर इटखरी गांव में गरीबों, असहायों को कम्बल वितरण किया। कार्यक्रम में पार्टी के जिला सचिव कामरेड अमित यादव ने कहा कि गरीबों की सहायता व सहयोग करने की शुरूआत कम्युनिस्ट पार्टी ने ही की थी। पार्टी की स्थापना का उद्देश्य अंग्रेजी साम्राज्य को उखाड़ कर स्वतंत्र भारत में आर्थिक बराबरी सामाजिक न्याय को लाकर देश को विश्व में अग्रणी बनाना था। वर्तमान में भाजपा सरकार में अमीर और अमीर हो रहा है तथा गरीब और गरीब होता जा रहा है। युवा रोजगार के लिए, छात्र सस्ती शिक्षा और बीमार व्यक्ति सस्ती चिकित्सा के लिए परेशान हैं, जिनके लिए सीपीआई लगातार संघर्ष कर रही है। इस मौके परं समाजसेवी केशव प्रसाद यादव, भजनाश्रम प्रबंधक राम औतार, शारदा प्रसाद यादव, का. राजेंद्र कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

बांदा प्रेस ट्रस्ट की मासिक बैठक सम्पन्न, संगठन को परिवार की तरह संचालित करने पर जोर

अखंड भारत संदेश

बांदा। बांदा प्रेस ट्रस्ट की मासिक बैठक रविवार को जिला कार्यालय में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार और पारदर्शी कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संगठन को एक परिवार के रूप में संचालित किए जाने पर विशेष बल दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन प्रमुख अनिल सिंह गौतम ने कहा कि ह्वबांदा प्रेस ट्रस्ट केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक परिवार है। यहां वही लोग जुड़ेंगे जो ईमानदार, कर्मठ और समाज के प्रति जिम्मेदार हों। संगठन के हर सदस्य की गरिमा और सम्मान सर्वोपरि है।ह्व उन्होंने यह भी घोषणा की कि तहसील स्तर पर शीघ्र ही संगठन की इकाइयों का गठन किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी पत्रकारों को एक सशक्त मंच मिल सके और संगठन की पकड़ मजबूत हो।

बैठक में संगठनात्मक रणनीति, आगामी कार्यक्रमों तथा पत्रकार हितों से जुड़े विषयों पर भी महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए।

इस अवसर पर अनिल तिवारी, नवीन कुमार मिश्र, रमाकांत तिवारी, के.के. गुप्ता, अजय यादव, ललित विश्वकर्मा, राजाराम राही, दिलीप द्विवेदी, वन्य, संगीता, अनीता गुप्ता, पंकज शुक्ला, प्रदीप शुक्ला, कल्लू सिंह, डी.के. गुप्ता सहित लगभग पांच दर्जन पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

नफरत, अन्याय एवं तानाशाह के खिलाफ जारी रहेगा कांग्रेस का संघर्ष : कुशल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस जिला अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट की अध्यक्षता में मनाया गया। इसी प्रकार जनपद की दोनों विधानसभाओं के सभी मंडलों में भी कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया।

पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश महासचिव कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान सामूहिक राष्ट्रगान भी किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं है बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित एवं मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। कौंग्रेस का संकल्प है कि नफरत अन्याय एवं तानाशाह के खिलाफ सत्य साहस एवं संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मजबूती के साथ लड़ेंगे। कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय मुंबई में 72 प्रतिनिधियों ने की थी। जिसकी अध्यक्षता डब्लू सी बनर्जी ने की था। महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए उन्होंने युवाओं को सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा पर जोर दिया। कहा कि कांग्रेस हमेशा भारतवासियों के कल्याण सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के लिए काम करती रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी दुर्गेश खंगार, जगजाहिर पटेल, राम कृपाल, महेश सिंह, सुरेंद्र पांडेय को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रंजना बराती लाल पांडे, अवधेश करवरिया, जिला प्रवक्ता चुनवाद प्रसाद, जिला महासचिव विजय मणि त्रिपाठी, जिला सचिव कार्यालय प्रभारी राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल, जिला सचिव यमुना प्रसाद शुक्ला, पहाड़ी ब्लाक अध्यक्ष रामकृपाल वर्मा, कर्वी ब्लाक अध्यक्ष जग जाहिर सिंह पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी दुर्गेश खंगार, महेश सिंह एडवोकेट, राकेश वर्मा, शिव गुलाम वर्मा, वार रूम इंचार्ज वीरेंद्र सिंह, सोशल मीडिया इंचार्ज योगेंद्र कुमार, महेंद्र सिंह, रामबालक, सुभाष, बृजलाल, मनोज कुमार, बच्चा लाल, धीरज कुमार, प्रिंस कुमार, अशोक कुमार, बाबूलाल, राम प्रकाश, देवनारायण, नाथू प्रसाद, मइयादीन,, छोटेलाल, नत्थू, जय कुमार, रामसेवक, सुंदरलाल, विकास कुमार, अवलोकिता कुमार, अनुज कुमार, शिवम, प्रीमीलाल, सुरेंद्र कुमार, जगदीश प्रसाद, संतोष सिंह, विक्रम नारायण, भगवानदीन, बउरा, चुन्नू, छोटे लाल पाल, अवधेश कुमार त्रिपाठी, चंद्रशेखर सिंह, कृष्णराज सिंह, रामनरेश सिंह पटेल, भाऊराम कुशवाहा, मंधीर वर्मा, प्रीमीलाल सोनकर, मोहनलाल सिंह, अनिल साहू, कामता द्विवेदी आदि मौजूद रहे ।

बड़ा जगदीश मंदिर में किया गया बैकुण्ठ उत्सव का आयोजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। धर्मनगरी स्थित रामघाट के बड़ा जगदीश मन्दिर में रविवार को बैकुण्ठ उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें युवराज स्वामी रामप्रपन्नाचार्य महराज का महंती पट्टाभिषेक भी किया गया।

धर्मनगरी के बड़ा जगदीश मन्दिर में चल रहे कार्यक्रम के तहत बीती 26 दिसम्बर को बैकुण्ठ उत्सव के तहत कलश स्थापना, देवाराधना और बीती 27 दिसम्बर को प्रबंध पाठादि के बाद रविवार को पूणार्हुति एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सातों अखाड़ों के महंतों के समक्ष युवराज स्वामी रामप्रपन्नाचार्य महराज का महन्ती पट्टाभिषेक किया गया। बताया गया कि अनंत विभूषित त्रिदण्डी स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य महराज के परम पद को प्राप्त हो जाने के बाद इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें दिगम्बर अखाड़ा भरत मन्दिर के महंत दिव्यजीवन दिवस व संतोषी अखाड़े के महंत रामजी दास ने कहा कि सभी अखाड़े हिन्दू धर्म और सनातन परम्पराओं के साथ भारतीय संस्कृति के विस्तार के लिए काम कर रहे है। इस मौके पर ट्रस्ट के संरक्षक देवेन्द्र उपाध्याय, महंत दीनदयाल दास, अनूप दास, मोहित दास, रामजन्म दास, कामता दास आदि मौजूद रहे।

बच्चों को बांटे पाठ्य सामग्री और गर्म कपड़े

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रयास सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजमगढ़ के रणजीत सिंह द्वारा धर्मनगरी के रामघाट स्थित तोता मुखी हनुमान मंदिर के मंहत मोहित दास को संस्था का उपाध्यक्ष मनोनित किया है। साथ ही घनश्याम सिंह को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान संस्था के कार्यकताओं द्वारा पाठा क्षेत्र की आदिवासी बस्तियों में कंबल वितरित किए गए। साथ ही बच्चों को स्वेटर, जूते, मोजे, कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर आदि का वितरण किया गया।

संस्था के कार्यकताओं द्वारा पुरुषों को कंबल, महिलाओं को साड़ी व बच्चों को पाठ्य सामग्री आदि का वितरण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत सिंह ने कहा कि चित्रकूट की धरती बहुत ही पावन है, यहां आकर कामतानाथ के दर्शन करने के बाद सामाजिक कार्य करने में बहुत ही खुशी महसूस होती है। नव नियुक्त उपाध्यक्ष महंत मोहित दास ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए जिला इकाई द्वारा निरंतर असहायों की सेवा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला इकाई के अध्यक्ष वनवासी आश्रम के धनीराम दास सहित आदि मौजूद रहे।

थाईलैंड-कंबोडिया बॉर्डर पर विष्णु प्रतिमा पर चलाया बुलडोजर, भड़का भारत

कंबोडिया

भारत ने बुथाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष में एक हिंदू देवता की मूर्ति को ध्वस्त किए जाने पर चिंता व्यक्त की। नई दिल्ली ने कहा कि इस तरह के अपमानजनक कृत्यों से दुनिया भर में अनुयायियों की भावनाएं आहत होती हैं, साथ ही उसने थाईलैंड और कंबोडिया दोनों से संवाद और कूटनीति के माध्यम से अपने सीमा विवाद को हल करने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा हमें हाल ही में निर्मित एक हिंदू धार्मिक देवता की मूर्ति को ध्वस्त किए जाने की खबरें मिली हैं, जो थाई-कंबोडिया सीमा विवाद से प्रभावित क्षेत्र में स्थित थी।

गौरतलब है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे सीमा विवाद के बीच एक हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़े जाने की घटना सामने आई है। यह मूर्ति हाल के वर्षों में बनाई गई थी और उस इलाके में स्थित थी, जो दोनों देशों के बीच जारी सैन्य संघर्ष से प्रभावित है। ताजा घटनाक्रम में धार्मिक प्रतीक को नुकसान पहुंचने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता जताई जा रही है। भारत ने इस घटना पर कड़ी चिंता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हिंदू और बौद्ध देवता पूरे क्षेत्र में गहरी श्रद्धा के साथ पूजे जाते हैं और यह साझा सभ्यतागत विरासत का हिस्सा हैं।

किसी भी तरह के क्षेत्रीय दावे हों, लेकिन इस तरह के अपमानजनक कृत्य दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करते हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए।

थाईलैंड और कंबोडिया के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को युद्धविराम को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से बातचीत शुरू की, दोनों पक्षों द्वारा लगभग तीन सप्ताह से चल रही घातक सीमा लड़ाई को रोकने की कोशिश करने पर सहमति जताने के कुछ दिनों बाद यह वार्ता शुरू हुई। कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, हाल के हफ्तों में लड़ाई जारी रही है। थाईलैंड और कंबोडिया ने एक-दूसरे पर अक्टूबर में हुए उन्नत युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसमें सैनिकों और भारी हथियारों को वापस बुलाने और विवादित क्षेत्रों में बारूदी सुरंगों को हटाने की प्रतिबद्धताएं शामिल थीं।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल बालानंद शर्मा संभाली नेपाल की विदेश मंत्रालय की कमान

नेपाल

लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) बालानंद शर्मा को नेपाल का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में श्री शर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, यह प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा किया गया पांचवां मंत्रिमंडल विस्तार है। सुशीला कार्की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रही हैं और उन्हें 5 मार्च को आम चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है। शर्मा के शामिल होने से कार्की की मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री कार्की, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत, उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित थे। काठमांडू पोस्ट अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्री शर्मा ने माओवादी लड़ाकों को नेपाल सेना में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2006 में तत्कालीन सीपीएन (माओवादी) के शांति प्रक्रिया में शामिल होने के बाद, उन्होंने सेना एकीकरण पर तकनीकी समिति के समन्वयक के रूप में कार्य किया। रिपोर्ट के अनुसार, श्री शर्मा ने नेपाली सेना में लगभग 39 वर्षों तक सेवा की, विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाईं और लगभग चार वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय शांति अभियानों में तैनात रहे। उन्होंने महामारी के दौरान कोविड-19 संकट प्रबंधन समिति (सीसीएमसी) के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया।

मक्का मस्जिद की छत से अचानक कूद गया शख्स!

सऊदी

मक्का की मस्जिद अल हरम में उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब एक व्यक्ति ने ग्रैंड मस्जिद की ऊपरी मंजिलों से कूदने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, सऊदी सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई ने एक घातक घटना को टाल दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि वह व्यक्ति ऊपरी मंजिल की सीमा की ओर बढ़ रहा था, तभी अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उसे पकड़ लिया। बचाव कार्य के दौरान एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि घायल अधिकारी को उस

व्यक्ति को जमीन पर गिरने से रोकने के दौरान फ्रैक्चर हो गए। हरम सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति और घायल अधिकारी दोनों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। गृह मंत्रालय ने दोहराया कि विशेष बल ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की और सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गईं।

उस्मान हादी के इंकलाब मंच ने की न्याय की मांग, ढाका में विरोध प्रदर्शन किया

बांग्लादेश

पिछले सप्ताह युवा नेता उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू व्यक्ति दीपू चंद्र दास की हाल ही में हुई लिंचिंग की निंदा करता है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ शत्रुता को गंभीर चिंता का विषय बताया। जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी शत्रुता गंभीर चिंता का विषय है। हम बांग्लादेश में हाल ही में एक हिंदू युवक की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस अपराध के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस बीच, पिछले सप्ताह मयमनसिंह में हिंदू नागरिक दीपू चंद्र दास की हत्या के सिलसिले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि दास को बुरी तरह पीटा गया, बांधा गया और आग लगा दी गई। इस घटना से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव पैदा हो गया, क्योंकि भारत ने पड़ोसी देश में हो रही हिंदू विरोधी घटनाओं का विरोध किया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सुनामगंज के 22 वर्षीय तकबीर, ठाकुरगांव के 42 वर्षीय रुहुल अमीन, सदर उपजिला के 33 वर्षीय नूर आलम, तारकंडा उपजिला के 28 वर्षीय शमीम मियां, नोआखली के 22 वर्षीय सलीम मियां और मदारिपुर जिले के 23 वर्षीय मासूम खलाशी के रूप में हुई है।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए छह लोगों ने दास को जबरन नौकरी से इस्तीफा दिलवाया था। खबरों के मुताबिक, दास की हत्या के सिलसिले में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कई भारतीय हस्तियों ने मयमनसिंह में एक हिंदू व्यक्ति की हत्या की निंदा की है, जिनमें अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने इस घटना को बर्बर करार दिया है।

जापान के मिशिमा में खूनी तांडव, सिरफिरे ने चाकू और लिक्विड स्प्रे से किया हमला

जापान

जापान के मध्य में स्थित एक कारखाने में शुक्रवार को हुए चाकू हमले में कम से कम 14 लोग घायल हो गए। आपातकालीन सेवाओं के अधिकारियों ने बताया कि इस हमले के दौरान एक अज्ञात तरल पदार्थ का छिड़काव किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि शाम लगभग 4:30 बजे (07:30 जीएमटी) पास के एक रबर कारखाने से फोन आया जिसमें बताया गया कि "पांच या छह लोगों पर किसी ने चाकू से हमला किया है और स्प्रे जैसा तरल पदार्थ भी इस्तेमाल किया गया है। क्योटो समाचार एजेंसी से मिली जानकारी के अनुसार, टोक्यो के पश्चिम में स्थित मिशिमा में एक रबर फैक्ट्री में एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर- के लोगों को घायल कर दिया। खबरों के मुताबिक, हमलावर को फैक्ट्री में ही पकड़ लिया गया और वह पुलिस हिरासत में है।

क्योटो ने स्थानीय अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के हवाले से बताया कि आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत समेत अन्य कोई जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं है। घायलों की गंभीरता का पता नहीं चल पाया है, हालांकि सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने कहा कि सभी पीड़ित होश में हैं। अधिकारियों ने बताया कि 14 पीड़ितों में से कम से कम छह को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। मिशिमा स्थित जिस फैक्ट्री में यह घटना हुई, उसका संचालन योकोहामा रबर कंपनी कर रही है, जो अपनी वेबसाइट के अनुसार ट्रकों और बसों के लिए टायर बनाने का काम करती है।

H-1B वीजा अपॉइंटमेंट में देरी पर भारत ने ट्रंप सरकार के सामने उठाया मुद्दा

अमेरिका

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने एच-1बी वीजा नियुक्तियों के निर्धारण में देरी और कठिनाइयों के मुद्दे के साथ-साथ इस मुद्दे से संबंधित अन्य चिंताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिकारियों के समक्ष उठाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं, हालांकि वीजा संबंधी मामले वीजा जारी करने वाले देश की संप्रभुता के अंतर्गत आते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रणधीर जायसवाल ने कहा कि जी हां, भारत सरकार को उन भारतीय नागरिकों से कई शिकायतें मिली हैं जिन्हें वीजा अपॉइंटमेंट में देरी या पुनर्निर्धारण में समस्याओं का सामना

करना पड़ रहा है। हम समझते हैं कि वीजा संबंधी मुद्दे किसी भी देश की संप्रभुता का विषय हैं। हमने इन मुद्दों और अपनी चिंताओं को अमेरिका के अधिकारियों के समक्ष, नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी दोनों जगह, उठाया है।

हमें उम्मीद है कि इन देरी और बाधाओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांसुलर मुलाकातों की समय-सारणी और पुनर्निर्धारण में समस्याओं के कारण, कई लोग लंबे समय तक फंसे हुए हैं और आगे कहा कि इन समस्याओं के कारण "उनके परिवारों को भी बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, उनके पारिवारिक जीवन और उनके बच्चों की शिक्षा पर भी असर पड़ा है। अमेरिकी सरकार की ओर से भी एक सूचना जारी की गई है जिसमें बताया गया है कि 15 दिसंबर से उन्होंने अपनी समीक्षा प्रक्रिया का विस्तार किया है, जिसमें विशेष व्यवसाय के लिए अस्थायी एच-1बी वीजा आवेदकों के साथ-साथ एच4 श्रेणी के वीजा के अंतर्गत आने वाले आश्रितों को भी शामिल किया गया है।

तारिक रहमान की 17 साल बाद वतन वापसी पर आया भारत का बयान, कहा- शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं

बांग्लादेश

बीएनपी के तारिक रहमान की वापसी पर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का समर्थन करता है और इस घटनाक्रम को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश की जनता के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं और लगातार बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और सहभागी

चुनावों की मांग करते रहे हैं। आपको बता दें कि बांग्लादेश राजनीति में 17 साल बाद पुराने एक चेहरे की वापसी हुई। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान बांग्लादेश लौट आए हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटे। ढाका में तारिक के स्वागत में एक लाख से ज्यादा पार्टी कार्यकर्ता उमड़े।

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में 60 वर्षीय तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार होंगे। लाखों समर्थकों के बीच पहली रैली में तारिक ने यही कहा कि बंग्लादेश मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों- सबका देश है। हमारी पार्टी सुरक्षित बांग्लादेश बनाना चाहती है। ऐसा बांग्लादेश जहां महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित रूप से अपने घर से निकल सकें और वापस लौट सकें। हम देश में शांति कायम करेंगे। नया बांग्लादेश बनाएंगे।

बांग्लादेश की अतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार है। उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब दो प्रमुख युवा नेताओं की हत्या के बाद से देश में अशांति और राजनीतिक अस्थिरता की नई लहर जारी है, जिसने पूरे बाग्लादेश को चपेट में ले लिया है।

मुनीर की मौत 'आसमान' से आएगी!

पाकिस्तान

भविष्य में होने वाले युद्ध के लिए हिंदुस्तान अभी से धाकड़ तैयारी कर रहा है।

अब तक की सबसे विध्वंसक सबसे विस्फोटक ड्रोन फोर्स बना रहा है। इस ड्रोन फोर्स का इस्तेमाल तीनों सेनाएं यानी जल, थल, नव तीनों वॉर फ्रंट्स करेंगी। भारतीय सेना के जवान ताबड़तोड़ ड्रोन स्ट्राइक करेंगे। आसमान से बारूद बरसाएंगे। ऐसे में कहा जा रहा है कि क्या मुनीर की मौत अब आसमान से आएगी? हिंदुस्तान के बारूदी उड़न दस्तों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को दहलादिया था। आसमान से बरसती मौत को देख 25 करोड़ पाकिस्तानी और मुल्ला मुनीर सहल गए थे। पाकिस्तानी फौज की टांगे कांपने लगी थी। लेकिन जानते हैं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हिंदुस्तान का हवाई हमला तो महज ट्रेलर था। असली पिक्चर तो अब रिलीज होने वाली है।

अब भारतीय सेना अपनी हर कोर में ड्रोन फोर्स तैनात करेगी। हर सैन्य कोर के पास करीब 10,000 ड्रोन मौजूद रहेंगे और यह ड्रोन सर्विलांस के साथ-साथ अटैक करने में सक्षम होंगे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक
अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:
9565333000

Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

कनाडा में मृत भारतीय छात्र पर विदेश मंत्रालय का बयान

परिवार के संपर्क में हैं, मौत के कारणों का लगाया जाएगा पता

कनाडा

कनाडा में मृत भारतीय छात्र के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम उनके परिवार के संपर्क में हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम स्थानीय अधिकारियों से भी संपर्क में हैं ताकि मृत्यु के कारणों का पता लगाया जा सके... हमारा दूतावास परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। कनाडा के एडमंटन शहर के एक अस्पताल में भारतीय मूल के 44 वर्षीय प्रशांत श्रीकुमार की मौत उस वक्त हो गई, जब वह अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाज के इंतजार में घंटों तक दर्द से कराहते रहे।

इसमें बताया गया कि उन्हें दक्षिण-पूर्वी एडमोंटन के ग्रे नन्स अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रारंभिक जांच के बाद प्रशांत प्रतीक्षा कक्ष में बैठ गए। बाद में उनके पिता कुमार श्रीकुमार भी जल्द ही वहां पहुंच गए। कुमार ने बताया कि उसने मुझसे कहा, पापा, मैं दर्द सहन नहीं कर पा रहा हूं।ह्ल उसने अस्पताल कर्मियों को भी बताया कि उसे असहनीय दर्द हो रहा है। परिजनों के अनुसार, अस्पताल में

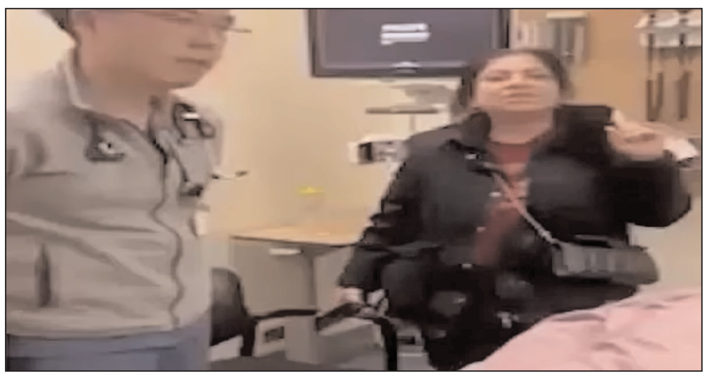

प्रशांत का इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) किया गया था, लेकिन उन्हें बताया गया कि रिपोर्ट में कोई भी दिक्कत की बात सामने नहीं आई है और उन्हें इंतजार करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनके बेटे को दर्द के लिए टाएलेनॉल दवा दी गई। कुमार ने बताया कि वह इंतजार करता रहा, नर्सें थोड़े अंतराल पर प्रशांत का रक्तचाप जांचती रहीं। पिता ने बताया कि समय बीतने के साथ प्रशांत का रक्तचाप लगातार बढ़ता जा रहा था। कुमार ने बताया कि आठ घंटे से अधिक समय बीतने के बाद प्रशांत को उपचार के लिए बुलाया गया। बैठने के बाद 10 सेकंड ही बीते होंगे, उसने मुझे देखा, खड़ा हुआ, अपना हाथ सीने पर रखा और गिर पड़ा।

रिपोर्ट के अनुसार नर्सों ने चिकित्सकों को बुलाया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, प्रत्यक्ष तौर पर हृदयाघात से उनकी मौत हो गई। प्रशांत के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं जिनकी उम्र तीन, 10 और 14 वर्ष है। कुमार ने कहा वह अपने परिवार, अपने बच्चों के लिए समर्पित था, वह बहुत अच्छा इंसान था। उससे बात करने वाला हर कोई कहता था कि उससे अच्छा इंसान उन्होंने नहीं देखा। पीड़ित परिवार और मित्र अब इस बात का जवाब मांग रहे हैं कि सीने में तेज दर्द वाले मरीज को इतने लंबे समय तक बिना इलाज के कैसे छोड़ा गया? अस्पताल का संचालन करने वाली संस्था कवेनेंट हेल्थ ने ग्लोबल न्यूज को भेजे एक ईमेल में गोपनीयता का हवाला देते हुए विशिष्ट टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि मुख्य चिकित्सा परीक्षक कार्यालय मामले को देख रहा है। संस्था ने कहा, हम मरीज के परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारे लिए मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा और देखभाल से अहम कुछ भी नहीं है। प्रशांत के परिवार ने कहा कि उन्हें हमेशा इस बात का दुख सताता रहेगा कि उसकी मृत्यु अस्पताल में दर्द से तड़पते हुए हुई और किसी चिकित्सक ने उसे देखा तक नहीं।